वर्ष : 34 ▸ अंक : 01 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शनिवार, 8 मार्च 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अमित बृज । मुंबई

वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य की विकास दर बढ़ने की उम्मीद है। पिछले वर्ष राज्य की विकास दर 6.5 प्रतिशत थी। इस बार 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2024-25 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि चिंता की बात यह है कि इस वित्त वर्ष में महाराष्ट्र सरकार के खजाने के लिए 20 हजार 51 करोड़ का राजस्व घाटा अपेक्षित है। राज्य के वित्तमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट-2024-25 विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश किया। राज्य का बजट आगामी सोमवार, 10 मार्च को पेश किया जाएगा।

कृषि व संलंग्न कार्य, उद्योग व सेवा क्षेत्र में बढ़ोतरी

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में 'कृषि और संबद्ध गतिविधियों', उद्योग और सेवा क्षेत्रों का वास्तविक सकल राज्य मूल्यवर्धन क्रमशः 8.7 प्रतिशत, 4.9 प्रतिशत और 7.8 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। 2024 के दौरान राज्य में औसत वर्षा 116.8 प्रतिशत वर्षा हुई। राज्य के 203 तहसिलों में अधिक वर्षा, 68 तहसिलों में औसत वर्षा तथा 84 तहसिलों में कम वर्षा हुई। कृषि जनगणना 1970-71 के अनुसार, राज्य में औसत खेती योग्य क्षेत्रफल 4.28 हेक्टेयर था। कृषि जनगणना 2021-22 के अंतिम निष्कर्षों के अनुसार यह 1.23 हेक्टेयर है। 2024-25 खरीफ सीजन में 157.59 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई पूरी हो चुकी है। पिछले वर्ष की तुलना में अनाज, दलहन, तिलहन और कपास के उत्पादन में क्रमशः 49.2 प्रतिशत, 48.1 प्रतिशत, 26.9 प्रतिशत और 10.8 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि गन्ना उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 6.6 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है।

पेश हुआ

सूबे का आर्थिक सर्वेक्षण

महाराष्ट्र की विकास दर में 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी, उत्पादन भी बढ़ा

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट

2024-25 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्ति : 4,99,463 करोड़ रुपए

अनुमानित राजस्व व्यय : 5,19,514 करोड़ रुपए

कर, गैर-कर राजस्व और केंद्र से अनुदान : 4,19,972 करोड़ और 79,491 करोड़ रुपए

जनवरी 2025 तक वास्तविक राजस्व संग्रह : 3,81,080 करोड़ रुपए (जो बजट अनुमान का मात्र 76.3% है)

राज्य के सकल उत्पादन का 17.3% हिस्सा कर्ज और ब्याज चुकाने में खर्च

राजकोषीय घाटा : 2.4% व राजस्व घाटा : 0.4%

वार्षिक कर्ज योजना : 7,25,000 करोड़ रुपए

कृषि क्षेत्र : 24.4%

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (MSME) क्षेत्र : 60.7%

20,051 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा का अनुमान

2024-25 के बजट अनुमानों के अनुसार, राजकोषीय घाटा 2.4 प्रतिशत, राजस्व घाटा 0.4 प्रतिशत और ऋण-जीडीपी अनुपात 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का वार्षिक योजना व्यय 1,92,000 करोड़ रुपये है, जिसमें से जिला वार्षिक योजना व्यय 23.528 करोड़ रुपये है। बजट अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का राजस्व संग्रह 4,99,463 करोड़ होने की उम्मीद है, जिसमें कर राजस्व और गैर-कर राजस्व (केंद्रीय सब्सिडी सहित) क्रमशः 4,19,972 करोड़ और 79,491 करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है। वर्ष 2024-25 में जनवरी तक वास्तविक राजस्व संग्रह 3,81,080 करोड़ (बजट अनुमान का 76.3 प्रतिशत) है। बजट अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का राजस्व व्यय 5,19,514 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। जनवरी तक वास्तविक राजस्व व्यय 3,52,141 करोड़ रुपये (बजट अनुमान का 67.8 प्रतिशत) है। चूंकि व्यय, राजस्व संग्रह से अधिक है, इसलिए इस वित्तीय वर्ष में 20,051 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा अनुमानित है।

बढ़ा प्रति व्यक्ति आय

महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य में प्रति व्यक्ति आय 3,09,340 रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2023-24 में यह 2,78,681 रुपये रही थी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा :

नई सरकार ने पहले दिन से ही काम करना शुरू कर दिया है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि हमने सभी विभागों की 100 दिन तक समीक्षा करने के बाद उन्हें अगले 5 साल के लिए दिशा-निर्देश दे दिए हैं। इस समय शिंदे ने कहा कि हमारी मातृभाषा मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। शिवाजी और शंभुराजे का अनादर कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उद्योग पर समझौता ज्ञापन के संबंध में, शिंदे ने कहा कि ये समझौते कागज पर नहीं हैं। महाराष्ट्र में पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड विदेशी निवेश पिछले 9 महीनों में हुआ है। केंद्र सरकार के डीपीआईआईटी ने दिसंबर 2024 के अंत के लिए विदेशी निवेश रिपोर्ट जारी कर दी है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों में अब तक कुल 1,39,434 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश हुआ है। पिछले 3 वर्षों में दावोस में हस्ताक्षरित निवेश समझौतों में से 80 प्रतिशत का क्रियान्वयन हो चुका है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम आदमी को किफायती आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए एक नीति तैयार की गई है। सरकार ने मुंबई में पुनर्वास परियोजनाओं में तेजी ला दी है। नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से राहत एवं पुनर्वास विभाग ने 2,246 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है।

न्यूज़ ब्रीफ

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ

वॉशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की याचिका खारिज कर दी है। राणा ने अपनी याचिका में कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित ना किया जाए। अपना प्रत्यर्पण रोकने की मांग करते हुए राणा ने कोर्ट में इमरजेंसी अपील की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। राणा ने अपनी अर्जी में कहा था कि पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने के कारण भारत में उसे यातना दी जाएगी। राणा पाक मूल का कनाडाई नागरिक है। उस पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप है। वह भारत में मोस्ट वॉन्टेड है।

एलोपैथी दवा भ्रामक विज्ञापन मामला: 25 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली। एलोपैथी दवा भ्रामक विज्ञापन मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- हमें बताया गया है कि राज्य भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कदम उठा रहे हैं। अगली सुनवाई 25 मार्च का होगी। इससे पहले 10 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक, सिद्धा और यूनानी दवाओं के अवैध विज्ञापनों पर एक्शन नहीं लेने वाले राज्यों को फटकार लगाई थी। इसमें दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश का नाम शामिल था। तब कोर्ट ने तीनों राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी 10 प्रतिशत की छूट

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने पर बिजली उपभोक्ताओं को 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। स्मार्ट मीटर की शुरुआत मोबाइल रिचार्ज की तरह ही बिजली बिल रिचार्ज को सक्षम बनाने के उद्देश्य से की गई थी। इसका लाभ बिजली उपभोक्ताओं को होगा और बिजली की खपत कम होगी और उन्हें कम बिजली बिल भरना होगा। शिवसेना यूबीटी के विधायक अजय चौधरी ने आज सभागृह में स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ताओं को होने वाले नुकसान का मुद्दा उपस्थित किया था। अजय चौधरी ने कहा कि महावितरण कंपनी ने झूठा विज्ञापन दिया है कि वह राज्य में बिजली उपभोक्ताओं के लिए कंपनी के खर्च पर मुफ्त में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

धारावी प्रोजेक्ट

रोक से सुप्रीम इनकार

हाईकोर्ट के अडाणी ग्रुप के पक्ष में दिए फैसले को पलटने से भी मना किया

दीपक पवार । मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को धारावी रिडेवलेपमेंट प्रोजेक्ट (DRP) के लिए चल रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट के अडाणी ग्रुप के पक्ष में दिए फैसले को पलटने से भी मना कर दिया। UAE की कंपनी सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉर्प ने इस प्रोजेक्ट को अडाणी प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। इसी के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सेकलिंक ने अडाणी ग्रुप का टेंडर रद्द करने की मांग की है। धारावी रिडेवलेपमेंट प्रोजेक्ट एशिया का सबसे बड़ा शहरी पुनर्वास कार्यक्रम माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

बेंच ने सेकलिंक से कहा है कि उसकी 8,640 करोड़ रुपए की बोली अडाणी की 5,069 करोड़ रुपए की बोली से काफी ज्यादा है। सेकलिंक टेक्नोलॉजीज ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह अपनी बोली में 20% का इजाफा करने को तैयार है। बेंच ने सेकलिंक को अपनी संशोधित बोली की डिटेल देते हुए हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

सभी शर्तों को मानना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी ग्रुप को एक अलग बैंक खाता रखने का निर्देश दिया है। इस खाते में प्रोजेक्ट से जुड़े सभी लेन-देन होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि निर्माण और तोड़फोड़ का काम शुरू हो चुका है। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और अडाणी प्रॉपर्टीज को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 25 मई को होगी।

क्या है मामला?

मुंबई के धारावी को रिडेवलेप करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 2019 में टेंडर जारी किया था। सेकलिंक ने 7,200 करोड़ रुपए की बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने 2019 और 2022 के बीच आर्थिक स्थितियों में बदलावों का हवाला देते हुए टेंडर रद्द कर दिया। 2022 में नया टेंडर जारी हुआ, इस बार प्रोजेक्ट अडाणी ग्रुप को मिला। सेकलिंक ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। दिसंबर, 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेकलिंक की 2019 की बोली रद्द करने और 2022 में एक नया टेंडर जारी करने के महाराष्ट्र सरकार का फैसला बरकरार रखा। सेकलिंक ने 2022 में 8,640 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी जबकि अडाणी ग्रुप ने 5,069 करोड़ रुपए की पेशकश की थी। अडाणी ग्रुप की टेंडर बोली कम होने की वजह से प्रोजेक्ट सेकलिंक की जगह अडाणी ग्रुप को मिला था।

पत्रकार अभिमन्यु शितोले का निधन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

नवभारत टाइम्स (टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप) के असिस्टेंट एडिटर (पॉलिटिकल) और प्रिंट व टीवी मीडिया के प्रतिष्ठित पत्रकार अभिमन्यु शितोले का शुक्रवार दोपहर हिंदूजा अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उनके निधन से मीडिया जगत में शोक की लहर है। शितोले ने TV9 मराठी, सामना (मराठी/हिंदी) सहित कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों में अहम भूमिकाएँ निभाईं। वे पत्रकारिता के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक के रूप में जाने जाते थे। उनकी लेखनी और बेबाक रिपोर्टिंग ने उन्हें मीडिया जगत में एक विशेष पहचान दिलाई। उनके निधन पर पत्रकारों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके योगदान को याद कर रहे हैं।

सपा नेता अबू आजमी ने स्पीकर को लिखी चिट्ठी, निलंबन वापस लेने की मांग

धीरज सिंह । मुंबई

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर निलंबन वापस लेने की मांग की है। अबू आजमी समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष भी हैं। अबू आज़मी ने पत्र में लिखा है कि बीते 3 मार्च के दिन सभागृह से बाहर निकालने के बाद मीडिया के लोग मेरे पीछे पड़ गए। उन्होंने औरंगजेब को लेकर मुझसे सवाल पूछा की असम के मुख्यमंत्री ने औरंगजेब की तुलना राहुल गांधी से की है। इस सवाल का जवाब देते हुए मैंने कहा कि औरंगजेब के शासनकाल के दौरान भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उसी के शासनकाल से आकर्षित होकर अंग्रेज भारत आए। मैंने इतिहास का संदर्भ देते हुए कहा कि औरंगजेब एक उत्तम प्रशंसक था।

दायित्वनामा

नारी से ही जीवन है

पेंटिंग: राखी कुमार

कहते हैं कि नारी ने मनुष्य का जीवन जीने लायक बनाया है। संसार में जो भी जन्मा है वह स्त्री के गर्भ से आया है। नारी जीवन को 9 माह अपनी कोख में रखकर दुनिया के लिए तैयार करती है। एक वरिष्ठ महिला संपादक ने बातचीत में कहा कि दुनिया में जितने ग्रह हैं उनमें से सिर्फ पृथ्वी ही नारी है, और इसीलिए यहां जीवन है... मैं इस बात की वैज्ञानिक सत्यता नहीं जानता पर यह सुनने में बेहद आकर्षक है। नारी से ही जीवन है।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

आज दुनिया भर में इंटरनेशनल वूमन डे मनाया जा रहा है। इस दिन को मनाने के मायने यह हैं कि पुरुष समाज मानव विकास में महिलाओं के योगदान को याद करे, उसे सराहे। कुछ लोगों का मानना है कि किसी भी प्रकार के डे का कुछ ज्यादा महत्व नहीं होता, क्योंकि यदि आप महिलाओं को सम्मान देना चाहते हैं तो आपको रोज ही देना चाहिए। यहां इस बात में दम तो नजर आता है, पर इस विरोध का ज्यादा मतलब इसलिए नहीं बनता कि जो लोग महिलाओं को आम दिनों सम्मान देते हैं, वे तो देते ही रहेंगे, पर यह डे आनेवाली पीढ़ियों को महिला सम्मान से जोड़ता है।

किसी भी तरह के डे का महत्व आधुनिक काल में इसलिए बढ़ जाता है कि भागदौड़ भरे जीवन में व्यक्ति को ठहराव मिलता है। समय की परतों को कुरेद कर महिलाओं को सम्मानित करने, उनके योगदान को पुरस्कृत करने का कार्य किया जाता है। बहुत बड़े पैमाने पर होने से इसका सकारात्मक असर बच्चों पर पड़ता है और हम एक बेहतर समाज की ओर बढ़ते हैं।

वर्तमान भारतीय समाज सामंतवादी सोच के साथ अवसरवादी घोड़े पर सवार तेजी से पूंजीवाद की तरफ दौड़ रहा है। जब भी किसी राष्ट्र में पूंजीवाद का प्रवेश होता है तब वहां महिलाओं की दशा बहुत बड़े संक्रमण से गुजरने लगती है। वर्तमान में भारतीय महिलाओं का जीवन बहुत बड़े संक्रमण से गुजर रहा है। महिलाएं परिवारिक मूल्यों से भी जुड़ी हुई हैं और पूंजीवाद की अपार सुविधाओं का आकर्षण उन्हें बुला रहा है। इधर सामंतवादी सोच के चलते पुरुष महिलाओं के व्यवहार को लेकर पूरी तरह से अवसरवादी है। अपनी महिला को वह सामंतवाद के तहत जीना सीखाना चाहता है, और दूसरी महिलाओं से पूंजीवाद का खुलापन चाहता है।

अभी-अभी आर्थिक रूप से सबलता की ओर बढ़ रही महिला के सामने चुनौतियों का अंबार है।

खैर, हमारा मानना है कि नारी ने ही दुनिया को सुंदर बनाने में सबसे बड़ा योगदान दिया है। बिना माता और पत्नी के कोई इंसान पूरा नहीं होता। ये दो संगिनी इंसान के जीवन को बेहतर बनातीं रही हैं। इस महान संक्रमण काल में नारी तेजी से अपने रास्ते खोज रही है, और हमें यकीन है कि वह अपनी श्रेष्ठता को और नया आयाम देगी।

राजनीतिक बवंडर

नहीं है शिंदे व फडणवीस के बीच कूल-कूल

अजय आशर को 'मित्रा' उपाध्यक्ष पद से हटाया गया

मुनीब चौरसिया । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करीबी अजय आशर को महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (मित्रा) के उपाध्यक्ष पद से हटा दिया है। यह फैसला महायुति सरकार में बढ़ती तनातनी को और गहरा कर सकता है। अजय आशर को एकनाथ शिंदे सरकार के दौरान 'मित्रा' संगठन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। लेकिन भाजपा सरकार ने अब इस संस्था का पुनर्गठन कर दिया है, जिसके तहत अब तीनों गठबंधन दलों के नेता उपाध्यक्ष होंगे।

भाजपा ने अपने नेताओं को दी कमान

यह फैसला एकनाथ शिंदे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि जब उन्होंने शिवसेना से बगावत कर भाजपा के साथ सरकार बनाई थी, तब 'मित्रा' का गठन नीति आयोग की तर्ज पर किया गया था। इसे राज्य में विकास और निवेश बढ़ाने के लिए एक थिंक टैंक के रूप में स्थापित किया गया था। अब मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने करीबी प्रवीण परदेशी को 'मित्रा' का सीईओ नियुक्त कर दिया है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा ने 'मित्रा' संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

अजय आशर को हटाने के पीछे भाजपा की असहजता

भाजपा इससे पहले भी शहरी विकास विभाग में अजय आशर की भूमिका को लेकर असहज थी, लेकिन शिंदे सरकार में उनकी मजबूत पकड़ बनी हुई थी। फडणवीस ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर यह बड़ा फैसला लिया, जिससे उन्होंने यह संकेत दे दिया कि सरकार पर उनका नियंत्रण पूरी तरह से मजबूत है।

फडणवीस की सफाई

फडणवीस ने कहा कि सबसे पहले, याद रखिए कि मैं उद्धव ठाकरे नहीं हूं जो चलती योजनाओं को बंद कर दूं। इस पर उनके पीछे बैठे महायुति विधायकों ने जोरदार हूटिंग की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री रहते हुए लिए गए फैसले अकेले उनके नहीं थे। वे मेरी और अजित पवार की भी जिम्मेदारी थे।

ठाणे मनपा का 5645 करोड़ रुपये का बजट पेश

कोई कर वृद्धि नहीं, बेहतर जीवन स्तर और राजस्व वृद्धि पर जोर

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

ठाणे नगर निगम (TMC) ने 2025-26 के लिए 5645 करोड़ रुपये का मूल बजट और 2024-25 के लिए 6550 करोड़ रुपये का संशोधित बजट पेश किया। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने यह बजट पेश करते हुए कहा कि ठाणे नगर निगम अपने नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट इसी दिशा में तैयार किया गया है।

2024-25 में संशोधित बजट और आय में गिरावट

वर्ष 2024-25 में 5025 .01 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया गया था, लेकिन जलापूर्ति शुल्क, कर संग्रह, विज्ञापन और शहरी विकास विभाग की आय में कमी के कारण राजस्व आय घटकर 3220 .42 करोड़ रुपये रह गई। सब्सिडी और अनुदान को देखते हुए पहले 284 .32 करोड़ रुपये की अपेक्षा थी, लेकिन 914 .35 करोड़ रुपये की वास्तविक अनुदान राशि प्राप्त हुई। इसके चलते 2025-26 के संशोधित बजट में 1162 .71 करोड़ रुपये अनुदान एवं उप-अनुदान के लिए आवंटित किए गए हैं।

व्यय प्रबंधन और पूंजीगत खर्च में वृद्धि

2024-25 में राजस्व व्यय 3345 .66 करोड़ रुपये प्रस्तावित था, जो संशोधित होकर 3034 .77 करोड़ रुपये हो गया। पूंजी अनुदान में वृद्धि के कारण पूंजीगत व्यय 1679 करोड़ रुपये से बढ़कर 2067 .50 करोड़ रुपये हो गया।

प्रमुख विकास कार्यों के लिए निधि आवंटन

- बुनियादी सुविधाओं के लिए – 300 करोड़ रुपये
- कलवा अस्पताल के लिए – 3 करोड़ रुपये
- एकीकृत कब्रिस्तान नवीकरण के लिए – 10 करोड़ रुपये
- सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए – 12 .19 करोड़ रुपये
- नागरिक सेवा सुविधाओं के लिए – 25 करोड़ रुपये
- अमृत योजना-2 के लिए – 48 .52 करोड़ रुपये

परिवहन सेवा के लिए 895 करोड़ रुपये का बजट

2025-26 के लिए ठाणे परिवहन सेवा को 895 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया। इस प्रस्ताव को ठाणे परिवहन सेवा प्रबंधक भालचंद्र बेहरे ने मनपा आयुक्त को सौंपा।

संपत्ति कर और शुल्क से राजस्व संग्रह बढ़ाने की योजना

2024-25 में संपत्ति कर और अन्य शुल्क से 100 करोड़ रुपये की अपेक्षा थी, जबकि अब संशोधित अनुमान 776.42 करोड़ रुपये का है। 2025-26 में संपत्ति कर और शुल्क से 841.58 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। संपत्ति कर संग्रहण बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक से पूरे शहर का सर्वेक्षण किया जाएगा और ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, व्हाट्सएप चैटबॉट जैसी नई तकनीकों को शामिल करने की योजना है, जिससे नागरिकों को कर भुगतान में सुविधा मिलेगी।

शहरी विकास और मेट्रो परियोजना के लिए धन आवंटन

2024-25 में शहरी विकास विभाग को 750 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान था, लेकिन दिसंबर 2024 तक प्राप्त आय 385.09 करोड़ रुपये रही। संशोधित बजट में इसे 582.15 करोड़ रुपये किया गया है, जिसमें मेट्रो परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये शामिल हैं।

नगर निगम की वित्तीय स्थिरता पर जोर

मनपा ने विकास शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि होगी। इस राशि को डेवलपर्स द्वारा वहन किया जाएगा। इस बजट में राजस्व बढ़ाने, खर्चों में अनुशासन, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

दो अलग-अलग यौन शोषण की वारदात

एक 10 वर्षीय नाबालिग लड़की और महिला के साथ बलात्कार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में दो अलग-अलग घटनाओं में यौन शोषण के मामले सामने आए हैं। पहली घटना में एक 10 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ 40 वर्षीय व्यक्ति ने यौन शोषण किया है, जबकि दूसरी घटना में एक 24 वर्षीय युवती को प्रेम के झांसे में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पहली घटना : नाबालिगा के साथ यौन शोषण का मामला

पहली घटना शांतिनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आमपाड़ा इलाके की है। यहां 40 वर्षीय आरोपी, जो पीड़िता और उसके परिवार का परिचित था, ने 10 वर्षीय लड़की के साथ यौन शोषण किया। घटना 6 मार्च को तब हुई जब पीड़िता की मां अपनी बहन को कलवा छोड़ने जा रही थी और बच्चों की देखभाल के लिए आरोपी को घर बुलाया था। आरोपी ने इस मौके का फायदा उठाते हुए रात में घर में रुकने का बहाना बनाया और मोबाइल फोन से अश्लील वीडियो और तस्वीरें दिखाकर लड़की का यौन शोषण किया। अगले दिन जब पीड़िता की मां को इस घटना का पता चला।

दूसरी घटना : युवती के साथ बलात्कार का मामला

दूसरी घटना भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हुई है। इसमें एक 26 वर्षीय युवक ने 24 वर्षीय युवती को प्रेम के झांसे में फंसाकर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़िता दोनों भिवंडी शहर में रहते थे और दोस्त थे। आरोपी ने दोस्ती को प्यार में बदलने का नाटक किया और युवती को शादी का झांसा देकर उसे अलग-अलग जगहों पर ले गया। इस दौरान उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। जब युवती ने शादी की जिद की, तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद युवती ने 6 मार्च को भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया है।

वड़ा-समोसा परोसने को लेकर विवाद

होटल मालिक ने ग्राहक पर डाला खौलता तेल

गंभीर रूप से झुलसा पीड़ित, आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर के शांतिनगर इलाके में स्थित जुबैर होटल में वड़ा या समोसा परोसने को लेकर हुए विवाद के बाद होटल मालिक ने ग्राहक पर खौलता हुआ गर्म तेल डाल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। इस घटना के बाद शांतिनगर पुलिस ने होटल मालिक अजमल लियाकत अली पठान (34) के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गर्म तेल से झुलसे पीड़ित ग्राहक का नाम इरशाद अब्दुल रऊफ अंसारी है, जो गंभीर रूप से घायल हुआ है और उसका इलाज जारी है।

कैसे हुआ विवाद?

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मेराज गुलशनवर खान, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया जिले का निवासी है, भिवंडी के नदियापार-शांतिनगर इलाके में किराए पर रहता है और पावरलूम कारखाने में कारीगर के रूप में काम करता है। 6 मार्च की शाम करीब 6 से 6:30 बजे के बीच मेराज और उसके चाचा इरशाद अंसारी जुबैर होटल में नाश्ता करने पहुंचे। इसी दौरान होटल मालिक अजमल उर्फ बबलू और इरशाद अंसारी के बीच वड़ा-पाव और समोसे परोसने को लेकर विवाद हो गया।

खौलते तेल से हमला

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में होटल मालिक अजमल ने वड़े-समोसे तलने वाली कड़ाही से खौलता हुआ तेल उठाकर इरशाद अंसारी के चेहरे, पीठ और शरीर पर डाल दिया। गर्म तेल से झुलसने के कारण पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया।

राशनकार्ड कैंप का 293 लोगों ने लिया लाभ

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहरवासियों को राशनकार्ड और इससे जुड़े कार्यों में सुविधा देने के उद्देश्य से विधायक कुमार आयलानी के कार्यालय में दो दिवसीय राशनकार्ड कैंप का आयोजन किया गया। गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित इस शिविर का शहर के नागरिकों ने बड़े पैमाने पर लाभ उठाया। इस शिविर के दौरान नए राशनकार्ड बनवाने, नाम जोड़ने और राशनकार्ड को ऑनलाइन करने जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। कुल 293 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में 40-एफ उप विभागीय उल्हासनगर कार्यालय की राशनिंग अधिकारी ज्योति भोर, महेश चेनानी (एआरओ), राजेन्द्र पाटिल (एआरओ), अश्विनी पाटिल, तानपुरे, रामा, वैशाली समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

वसई-विरार मनपा ने 3,926.44 करोड़ रुपए का बजट किया पेश

ओपी यादव । विरार

वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने वर्ष 2024-25 के लिए 3,538.94 करोड़ रुपये का संशोधित बजट और वर्ष 2025-26 के लिए 3,926.44 करोड़ रुपये का मूल बजट पेश किया। शुक्रवार (7 मार्च 2025) को मनपा आयुक्त की ओर से अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे ने प्रशासक अनिल कुमार पवार को यह बजट सौंपा। 2025-26 के बजट में जलापूर्ति योजनाओं और सीवेज निपटान योजनाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

जलापूर्ति और सीवेज निपटान पर विशेष जोर

बजट में शहर के जल आपूर्ति सिस्टम को मजबूत करने और सीवेज प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया गया है। इन बुनियादी ढांचों को उन्नत करने से नागरिकों को सुचारू सेवाएं मिलेंगी।

बजट प्रस्तुति के दौरान अधिकारी रहे मौजूद

इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी इंद्रजीत गोरे, उप मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी मनोज पवार, मिलिंद पाटील और संजय पाटील, वरिष्ठ लिपिक भूषण वाघ आदि अधिकारी उपस्थित थे।

विकास योजनाओं को प्राथमिकता

वसई-विरार मनपा ने शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, जलापूर्ति, सीवेज निपटान और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। बजट में शहरी विकास को गति देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर फोकस किया गया है, जिससे शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

प्राचीन वाचन मंदिर का जीर्णोद्धार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

ठाणे जिला पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष चांगदेव काले ने कहा कि "जब तक पुस्तकों की पूजा करने वाले मंदिर हैं, तब तक पढ़ने की संस्कृति जीवित रहेगी।" भिवंडी के वाचन मंदिर की 162वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित भवन नवीकरण और नामकरण कार्यक्रम में उन्होंने यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विधायक महेश चौघुले, सहायक पुस्तकालय निदेशक प्रशांत पाटिल, मोहन करमरकर, अविनाश करमरकर, सुधीर सिंगासने, पप्पू राका, मिलिंद पलसुले, नीलेश आलसी सहित बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमी और करमरकर परिवार के सदस्य उपस्थित थे। भिवंडी की सबसे पुरानी लाइब्रेरी वाचन मंदिर का जीर्णोद्धार विधायक महेश चौघुले की स्थानीय विकास निधि से 20 लाख रुपये की लागत से किया गया। इस ऐतिहासिक पुस्तकालय को करमरकर परिवार ने लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य की अपनी संपत्ति दानपत्र के रूप में भेंट की, जिससे यह पुस्तक मंदिर संभव हो सका।

समुद्र तट स्वच्छता में ऐतिहासिक उपलब्धि

वसई-विरार मनपा को अंतर्राष्ट्रीय बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान

डीबीडी संवाददाता । विरार

विरारः वसई-विरार शहर महानगरपालिका को पर्यावरण संरक्षण और समुद्र तट सफाई के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है। यह जानकारी महानगरपालिका के पीआरओ गणेश पाटील ने दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देशानुसार, 21 सितंबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस (आईसीसीडी) के अवसर पर समुद्र तट सफाई अभियान आयोजित किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य तटों को कचरा मुक्त बनाना और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

राजोडी बीच पर चला बड़ा सफाई अभियान

वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और गो-शून्य प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त सहयोग से विरार (पूर्व) के राजोडी बीच पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में 15,000 से अधिक स्वयंसेवकों, स्कूल-कॉलेजों के छात्रों, एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स, महिला स्वयं सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और मनपा अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान कुल 53 मीट्रिक टन कचरा एकत्र किया गया, जिसमें 662 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण का प्रदर्शन भी किया गया।

तीन श्रेणियों में दर्ज रिकॉर्ड

मनपा के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त नानासाहेब कामठे ने बताया कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत वसई-विरार को अंतर्राष्ट्रीय बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में तीन श्रेणियों में स्थान मिला है, स्वयंसेवकों की अधिकतम भागीदारी, उच्चतम अपशिष्ट संग्रह और प्लास्टिक कचरे का लाइव रीसाइक्लिंग।

अभय योजना से मनपा की तिजोरी में जमा हुए 42.46 करोड़ रुपये

सुरेश चौहान । उल्हासनगर

विधायक कुमार आयलानी के आग्रह पर उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा टैक्स में छूट की अभय योजना लागू की गई, जिससे मनपा को जबरदस्त आर्थिक लाभ हुआ है। 24 फरवरी से शुरू हुई इस योजना के तहत 6 मार्च तक 42.46 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

अब तक 117 करोड़ रुपये की कुल आमदनी

18 मार्च तक योजना का लाभ उठा सकते हैं नागरिक

18 तक अभय योजना जारी, टैक्स चुकाने का अंतिम अवसर

विधायक कुमार आयलानी ने नागरिकों से अपील की है कि 18 मार्च तक इस योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया टैक्स का भुगतान करें, क्योंकि योजना समाप्त होने के बाद मनपा बकाया वसूली के लिए कड़ी कार्रवाई करेगी।

मनपा की आय में ऐतिहासिक वृद्धि

इस योजना के तहत नागरिकों को ब्याज में पूरी छूट दी गई थी, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने अपने टैक्स का भुगतान किया। इस आर्थिक वर्ष में मनपा ने पिछले साल की 110 करोड़ रुपये की आमदनी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 6 मार्च तक 117 करोड़ रुपये की कमाई की है।

मनपा की बढ़ी आय से विकास कार्यों को मिलेगा बल

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने विधायक कुमार आयलानी का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस बढ़ी हुई आमदनी से शहर में नई विकास योजनाओं को लागू करने में मदद मिलेगी। उपायुक्त विशाखा मोटघरे और कर निर्धारक नीलम कदम के मार्गदर्शन में अधिकतम राजस्व संग्रहण के प्रयास जारी हैं।

'अरविंद पेंडसे विचार मंच' की स्थापना

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व ठाणे जिला संगठन मंत्री स्वर्गीय अरविंद पेंडसे की विचारधारा और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'अरविंद पेंडसे विचार मंच' की स्थापना की गई है। इस मंच के माध्यम से अरविंद पेंडसे व्याख्यान माला की शुरुआत की जाएगी, ताकि उनके कार्यों और विचारों से प्रेरित होकर नए कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा सके।

भिवंडी विकास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी। भाजपा विधायक महेश चौघुले ने भिवंडी विकास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ आरक्षित भूखंडों को मनमाने तरीके से मुक्त कर दिया गया, जबकि कई नई जमीनों पर जबरन आरक्षण लगाया गया। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया में भारी वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। विधायक चौघुले ने इस मुद्दे पर भिवंडी महानगरपालिका आयुक्त

विधायक महेश चौघुले ने की जांच की मांग

सीसीटीवी परियोजना के कारण सड़कों की दुर्दशा पर जताई नाराजगी

अनमोल सागर से योजना की दोबारा समीक्षा कराने की मांग की। आयुक्त ने उनकी मांग को सकारात्मक रूप से लिया है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस मामले की जांच शुरू होगी।

सड़कों के लिए 40 करोड़ रुपये की निधि लाने का प्रयास

भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि वे सरकार से सड़कों की मरम्मत के लिए 40 करोड़ रुपये की विशेष निधि लाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भिवंडी में चल रहे सीसीटीवी प्रोजेक्ट के कारण सड़कों की हालत खराब हो गई है।

सीसीटीवी प्रोजेक्ट पर उठाए सवाल

भिवंडी शहर में 557 स्थानों पर 1600 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिसके लिए सड़कों की खुदाई कर केबल बिछाई जा रही है। इस खुदाई के कारण नई बनी कंक्रीट सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है। विधायक चौघुले ने सीसीटीवी प्रोजेक्ट में लगाए गए खंभों के स्थान पर भी सवाल उठाए।

न्यू इंडिया बैंक घोटाला मामला

फरार आरोपियों पर इंटरपोल का शिकंजा

- भानु दंपति के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने जारी किया ब्लू कार्नर नोटिस
- पहले दोनों के खिलाफ जारी था लुक आउट नोटिस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने फरार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। भारत सरकार के अनुरोध पर इंटरपोल ने घोटाले के मास्टरमाइंड और फरार पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु एवं कार्यवाहक वाइस चेयरपर्सन गौरी भानु के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

ब्लू कॉर्नर नोटिस से होगी गिरफ्तारी में मदद

ईओडब्ल्यू द्वारा ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किए जाने के बाद अब भानु दंपति की लोकेशन ट्रैक की जा सकेगी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। जांच एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपी घोटाले के मास्टरमाइंड हैं और मामला उजागर होने से पहले ही विदेश भाग गए थे।

एक दुबई में, दूसरी थाईलैंड में

ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी के अनुसार, हिरेन भानु की मौजूदा लोकेशन दुबई के अबूधाबी में मिली है, जबकि गौरी भानु थाईलैंड में मौजूद है। इसके बाद दोनों के खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है, जिससे उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

GM हितेश मेहता ने भानु दंपति के इशारे पर किया घोटाला

जांच में सामने आया है कि इस घोटाले को बैंक के जनरल मैनेजर (GM) हितेश मेहता ने भानु दंपति के इशारे पर अंजाम दिया था। घोटाले की कुल रकम में से 28 करोड़ रुपये भानु दंपति को मिले थे।

विदेश भागने की साजिश पहले से रची गई थी

घोटाले का खुलासा 12 फरवरी को हुआ, लेकिन उससे पहले ही हिरेन भानु 26 जनवरी को और गौरी भानु 10 फरवरी को विदेश भाग चुके थे। अब इंटरपोल नोटिस जारी होने के बाद, उनकी गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। ईओडब्ल्यू अब अन्य देशों की एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है ताकि दोनों आरोपियों को जल्द से जल्द भारत लाकर घोटाले की जांच को आगे बढ़ाया जा सके।

पारले बिस्कुट कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आयकर विभाग ने शुक्रवार सुबह पारले बिस्कुट कंपनी के मुंबई स्थित कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई आयकर विभाग की फॉरेन असेट यूनिट और मुंबई इनकम टैक्स इन्वेस्टिगेशन विंग द्वारा की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पारले बिस्कुट कंपनी में आर्थिक अनियमितता की शिकायत मिलने के बाद यह छापा मारा गया। छापेमारी की अधिकृत जानकारी आयकर विभाग ने अब तक नहीं दी है, लेकिन खबर लिखे जाने तक मुंबई में करीब 14 स्थानों पर दस्तावेजों की गहन जांच जारी थी।

लगभग 95 साल पुरानी कंपनी पर जांच का शिकंजा

पारले बिस्कुट कंपनी की स्थापना 1929 में भारत को आजादी मिलने से पहले हुई थी और यह ब्रांड दशकों से भारतीय उपभोक्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय रहा है। कंपनी की विश्वसनीयता को देखते हुए इस छापेमारी ने व्यापार जगत में हलचल मचा दी है। आयकर विभाग द्वारा की जा रही इस जांच में कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड, विदेशी लेनदेन और कर अदायगी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

मध्य रेल

निविदा सूचना क. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/125/22-23/16R2

कार्य का विवरण: रेलवे स्टेशनों का हरित प्रमाणीकरण। **अनुमानित लागत:** Rs. 8,16,00,000 **ई एम डी:** Rs. 5,58,000 **निविदा प्रपत्रका शुल्क:** NIL **समापन अवधी:** 18 महीना **निविदा जमा करनेकी तिथि एवं अवधी:** - 28/03/2025, 12.30 बजे तक **बोली शुरु करने की तारीख:** 14/03/2025 टेंडर केवल ई टेंडरिंग मे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट मे उपलब्ध है।

Apex-831 एडीडीडी/पीओएच/सानपाडा

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे

पेंटिंग कार्य

उप मुख्य अभियंता (पुल-लाइन) पश्चिमी रेलवे दादर **ई-निविदा आमंत्रित संख्या: DYCE-BR-DDR-2025-03 कार्य का नाम:** "पुल संख्या 143, 192, 203, 228, 230, 239, 264, 304, 336, 339, 340, 344, 352 और 360 UP/DN तथा ROB संख्या 421A, 433A, परमुलच पार्क सिंगल लाइन, 437A, 440 A और 440B पर पेंटिंग तथा MMCT डिवीजन के SSE/B/BL के अधिकार क्षेत्र में SAH-ST सेक्शन के बीच पुल संख्या 192, 203, 239, 360 UP/DN के पालने निरीक्षण और अंदरूनी मार्ग"। **कार्य की अनुमानित लागत:** 67,44,285.57 **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** 1,34,900.00 **ई-टेंडर जमा करने की तिथि और समय:** 04.04.2025, 15.00 बजे तक ई-टेंडर खोलने की तिथि और समयः 04.04.2025 को 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

1156

हमें लाइक करें:: facebook.com/WesternRly

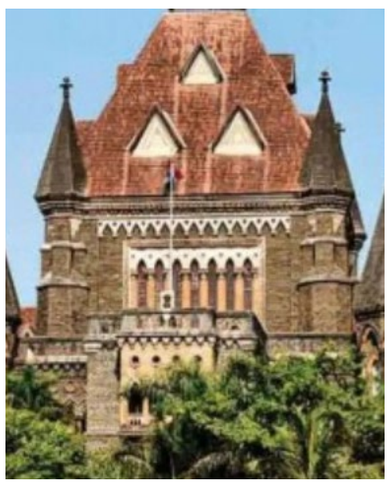

मुंबई पुलिस को हाईकोर्ट की फटकार

साइबर फ्रॉड की जांच में लापरवाही बरतने का है मामला

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुजुर्ग महिला के साथ हुए 32 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड की जांच में लापरवाही बरतने को लेकर मुंबई पुलिस को फटकार लगाई है। जालसाजों ने वाट्सएप मैसेज भेजकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर महिला को धोखाधड़ी का शिकार बनाया। अदालत ने इस मामले में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को तलब किया है। 19 मार्च को मामले की अगली सुनवाई रखी गई है। हाई कोर्ट की पीठ के समक्ष 71 वर्षीय लीला पार्थसारथी की ओर से वकील निखिल डागा की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में लापरवाही बरती। यदि वह समय पर मामला दर्ज कर जांच करती, तो याचिकाकर्ता की ट्रांसफर की गई रकम बैंक खातों से निकाले जाने से पहले ही फ्रीज किया जा सकता था। याचिकाकर्ता के वकील निखिल डागा ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता को 15 जुलाई 2024 को उनके वाट्सएप पर मैसेज आया था,जिसमें कहा गया कि उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच चल रही है। उन्हें धोखाधड़ी के मामले में डिजिटल अरेस्ट किया जा सकता है। यदि वह गिरफ्तारी से बचना चाहती हैं, तो उन्हें 2 लाख रुपए आरटीजीएस से भेजना होगा। इसके बाद अलग-अलग तारीखों में महिला से 32 लाख रुपए ठगों ने ट्रांसफर करा लिये।

मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 1 से 3

निविदा सूचना नं. सीआर-बीबी-सं.एवंदु.सं-पीजेटी-2025-26

निविदा सूचना नं. सीआर-बीबी-सं.एवंदु.सं पीजेटी-2025-26 शुध्दि संख्या **1** से **3** जारी किया गया है। अन्य सभी विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। यह निविदा **15.06.2017** दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश **2017** का अनुपालन करती है । अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित ही रहेंगी। अन्य सभी विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

Apex-829 व.म.सं. एवं दु.सं. अभि. (कार्य) मुंबई

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

गोवंडी में नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा

अब तक 20 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गोवंडी क्षेत्र में बढ़ते अमली पदार्थ (ड्रग्स) के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए शिवाजी नगर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बापूराव देशमुख के नेतृत्व में एनडीपीएस विभाग के अधिकारी और पुलिसकर्मी एक ओर जनजागरण कार्यक्रम चला रहे हैं, तो दूसरी ओर ड्रग्स माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में पुलिस ने 34 मामलों में 58 आरोपियों को गिरफ्तार कर 40.30 लाख रुपये मूल्य की नशीली वस्तुएं जब्त की थीं। वहीं, 2025 में अब तक 10 मामलों में 20 ड्रग्स पेडलरों को गिरफ्तार किया गया है और 1.56 लाख रुपये मूल्य की नशीली चीजें जब्त की गई हैं। इसके अलावा, नशे का सेवन करने वाले 124 लोगों पर भी कार्रवाई की गई है।

चुनाव के बाद राजनीतिक दलों ने किया अनदेखा, लेकिन पुलिस की मुहिम जारी

गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान गोवंडी में नशे का मुद्दा काफी गरमाया था, लेकिन चुनाव खत्म होते ही राजनीतिक दलों ने इस पर ध्यान देना बंद कर दिया। बावजूद इसके, शिवाजी नगर पुलिस ने नशे के कारोबार को खत्म करने के लिए अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखी।

पुलिस कार्रवाई से क्षेत्र में राहत

स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस मुहिम की सराहना की है। उनका कहना है कि पहले गली-मोहल्लों, पार्कों और खेल के मैदानों में नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता था, लेकिन अब पुलिस की सख्ती के बाद इन इलाकों में शांति लौट आई है। महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनने से वे अब बिना किसी डर के बाहर निकल सकती हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

संख्या. AE/SWM/12661/Ldt. 07/03/2025

ईओआई नोटिस

विषय :- 'एल' वार्ड में हवाई अड्डे की दीवार क्षेत्रों से मिश्रित कचरे के संग्रह और परिवहन के कार्य के लिए इच्छुक और पात्र संस्था से ईओआई

सहायक आयुक्त एमसीजीएम 'एल' वार्ड एल वार्ड में उपरोक्त विषय कार्य के लिए ईओआई आमंत्रित करते हैं।

क्र.	ईओआई संख्या	वार्ड	ईओआई जमा (ईएमडी) (रु.)	ईओआई दस्तावेज़ की लागत (रु.) (वापसी योग्य नहीं)	रिक्त ईओआई दस्तावेज़ की बिक्री	ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि
1	एमडीएम/ पी/5716 दिनांक 04.03.2025	एल	रु.16000/-	3300/-+ 18% जीएसटी यानि रु. 3894/-	08.03.2025 से 12.03.2025 (सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच	12.03.2025 से दोपहर 3:00 बजे तक

ईओआई दस्तावेजों का पूरा सेट इच्छुक पक्षकारों द्वारा किसी भी कार्य दिवस में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक 3300 रुपये +18% जीएसटी यानी 3894 रुपये प्रति सेट की गैर-वापसी योग्य फीस का भुगतान करके सी.एफ.सी. में ए.ई. (एस.डब्लू.एम.) 'एल' वार्ड के कार्यालय से नीचे दिए गए पते पर खरीदा जा सकता है।

सहायक अभियंता (एस.डब्लू.एम.) 'एल' वार्ड
का कार्यालय दूसरी मंजिल, एल वार्ड कार्यालय
भवन, यादव मंडई मार्केट, एस.जी. बर्वे मार्ग,
कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-400070

ईओआई विधिवत रूप से सीलबंद है नियत तिथि को अपराह्न 3:00 बजे या उससे पहले जमा करना होगा।

हस्ता/-
सहायक इंजीनियर 'एल' वार्ड (एसडब्ल्यूएम)

पीआरओ/2738/ विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

लोकल ट्रेन में भीड़ के दौरान ट्रैक पर गिरी महिला, गंभीर हालत में भर्ती

बदलापुर। बदलापुर रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसा हुआ. यहां भीड़ के चलते एक महिला यात्री लोकल ट्रेन से गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई. कर्जत से मुंबई जाने वाली लोकल ट्रेन स्टेशन पर पहुंची थी. भीड़ के दबाव में महिला का संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रैक पर गिर पड़ी, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह 8:59 बजे की है, जब कर्जत से मुंबई की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन बदलापुर स्टेशन पर पहुंची. स्टेशन पर भीड़ इतनी ज्यादा थी कि महिला यात्री ट्रेन के अंदर नहीं जा सकी. जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ी, भीड़ के दबाव के कारण महिला का संतुलन बिगड़ गया।

राजस्थानी महिला मंडल ने की जागृति सम्मेलन में नारी सशक्तिकरण पर चर्चा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राजस्थानी महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ₹जागृति सम्मेलन₹ का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था ₹नारी सशक्तिकरण कितना?₹ कार्यक्रम का आयोजन तेजपाल हॉल, गौवालिया टैंक में किया गया, जहां प्रतिष्ठित अतिथियों ने महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया।

स्मृति ईरानी ने किया प्रेरणादायक संबोधन

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने प्रभावशाली भाषण से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और सरकार द्वारा महिलाओं के हित में उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया, जिन्होंने महिलाओं की शक्ति और सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। वहीं, प्रसिद्ध एडवोकेट मृणालिनी देशमुख ने महिलाओं को न्याय प्राप्त करने में होने वाली कठिनाइयों और महिला हितों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों पर प्रकाश डाला।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु आमंत्रित - एमआरवीसी/ डब्ल्यू /242

(दो लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, "पश्चिमी रेलवे के विरार-दहानू खंड में सफ़ाले और वानगांव TSS और मध्य रेलवे के पनवेल-कर्जत खंड में मोहोपे TSS की ईएचवी आपूर्ति के लिए BOQ आधार पर ABT मीटरिंग व्यवस्था और SCADA सहित LILO ट्रांसमिशन लाइन और ट्रैक्शन सबस्टेशन के निर्माण के लिए EHV स्विचयार्ड के डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग" हेतु ई--निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **https://eprocure.gov.in** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **08.04.2025, दोपहर 15.00 बजे तक है।** **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।**

पश्चिम रेलवे

एनएफआर अनुबंधों के लिए ई-नीलामी

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्यिक विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008.
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारम्भ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM24-34	17.03.2025, 14.00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-MMCT-PrKiosk-47-24-1 (विविध-स्थिर-सेवाएँ-प्रचार कियोस्क)	चर्चगेट से विरार (29 स्टेशन) तक स्टेशनों/स्थानों पर प्रचार कियोस्क/उत्पाद प्रदर्शन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अनुबंध के लिए ई-नीलामी 3 वर्ष की अवधि के लिए	1096	17.03.2025 14:30 बजे
2	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 2 (विविध-स्थिर-सेवाएँ-स्टेशन पर चिकित्सा	5 वर्ष की अवधि के लिए माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना।	1826	17.03.2025 14:40 बजे
3	MSS-BCT-CCG-SS-42-24-1 (विविध-स्थिर-सेवाएँ-सैलून सेवाएँ)	चर्चगेट स्टेशन पर यूनिसेक्स सैलून सेवाएं प्रदान करने के लिए वातानुकूलित सैलून कियोस्क के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी	1096	17.03.2025 14:50 बजे
4	MSS-BCT-ADH-SS-43-24-1 (विविध-स्थिर-सेवाएँ-सैलून सेवाएँ)	अंधेरी स्टेशन पर यूनिसेक्स सैलून सेवाएं प्रदान करने के लिए वातानुकूलित सैलून कियोस्क के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी, कॉलम संख्या 28 और 29 के बीच पश्चिम ऊपरी डेक के उत्तर पश्चिम की ओर 32' x 10' 320 वर्ग फीट आकार के।	1096	17.03.2025 15:00 बजे।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारम्भ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-24-81	17.03.2025, 15.00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-Int-132652-305-25-1 (विज्ञापन - ट्रेन इंटीरियर)	प्रदर्शन के लिए ई-नीलामी राजधानी एक्सप्रेस (12951/12952) मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली और अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस (12953/12954) मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन के डिब्बों में कांच के दरवाजों पर विज्ञापन	1096	17.03.2025 15:30 बजे।
2	ADVT-BCT-BVI-OH-365-24-1 (घर से बाहर विज्ञापन)	बोरीवली स्टेशन पश्चिम में एसएसई (पी.वे)-बीवीआई के परिसर में, पश्चिम की ओर मुख करके तथा गांजावाला लेन से आने वाले यातायात के लिए 20' x 20' (1) 400 वर्ग फीट आकार की नई होर्डिंग संरचना बनाकर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 07 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार	2557	17.03.2025 15:40 बजे।
3	ADVT-BCT-NIG-OH-366-24-1 (घर से बाहर विज्ञापन)	नायगांव रोड ओवर ब्रिज पर नई होर्डिंग संरचना बनाकर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए थोक विज्ञापन अधिकार 02 होर्डिंग संरचनाएँ 20' x 20' (2) कुल क्षेत्रफल 1600 वर्ग फीट मापने वाली वी-आकार की 07 वर्ष की अवधि के लिए।	2557	17.03.2025 15:50 बजे।
4	ADVT-BCT-BVI-OH-364-24-1 (घर से बाहर विज्ञापन)	बोरीवली स्टेशन के उत्तर पूर्व परिसंचारी क्षेत्र में नए होर्डिंग ढांचे के निर्माण द्वारा विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए थोक विज्ञापन अधिकार, मौजूदा होर्डिंग संरचना के पूर्व की ओर दक्षिण की ओर 30' x 30' (1) = 900 वर्ग फीट का आकार 07 वर्ष की अवधि के लिए	2557	17.03.2025 16:00 बजे।
5	ADVT-BCT-GMN-OSN-362-24-1 (विज्ञापन - स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल))	गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन के पश्चिम की ओर स्टेशन भवन के मुख पर ग्लो साइन्स के लिए थोक विज्ञापन अधिकार, बस स्टॉप के सामने 3 वर्ष की अवधि के लिए।	1096	17.03.2025 16:20 बजे।
6	ADVT-BCT-PBHD-OSN-299-24-1 (स्टेशन परिसर में विज्ञापन (गैर-डिजिटल))	प्रभादेवी (PBHD) स्टेशन पर तीन साल की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	17.03.2025 16:30 बजे।

नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे **IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहाँ उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध हैं।

1150

हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें X.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। निश्चित रूप से औषधि विनियामक प्रणाली में सुधार करने से तमाम असहाय रोगियों की परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है। एक रिपोर्ट बताती है कि सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों का खर्च सात गुना होता है। खासकर कोरोना काल के बाद चिकित्सा खर्च में खासी बढ़ोतरी हुई है। निस्संदेह, राज्य सरकारों को इस मुद्दे पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर उचित गाइडलाइंस बनानी चाहिए। निजी अस्पतालों व मरीजों के हितों के मद्देनजर राज्य सरकारों के संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

किम जोंग पर ट्रंप की चुप्पी के मायने

पुष्परंजन

क्या अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए? ठीक एक माह पहले 7 फरवरी को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने डोनाल्ड ट्रम्प को सुझाव दिया था, कि वो उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन से दोबारा बात करें। लेकिन, ज़ेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे। ज़ेलेन्स्की, चाहे आने वाले दिनों में नरम पड़ जाएं, या खनिज समझौता कर लें, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति की जिस तरह आमने-सामने हेकड़ी उतारी है, उससे उनका प्रभामंडल निस्तेज हुआ है। अटलांटिक से लेकर, एशिया-प्रशांत और मिडल ईस्ट तक कुछ शासन प्रमुखों का हौसला बुलंद हुआ है, कि व्हाइट हाउस से दबो नहीं। तुर्की-ब-तुर्की जवाब दो।

7 फरवरी, 2025 को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए कहा, कि 'वह हम सबों के लिए बहुत बड़े धरोहर हैं। मैं उनसे मिलता रहता हूं।' इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान किम के साथ उनकी बातचीत ने कोरियाई प्रायद्वीप पर युद्ध को रोक दिया था। चाहे यह सच हो, या नहीं, ट्रम्प ने निश्चित रूप से अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उत्तर कोरिया के साथ बेहतर व्यवहार किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सुंदर भाषण दिए, लेकिन पूर्वी एशिया के कई देशों, जिनमें अमेरिकी सहयोगी और साझेदार भी शामिल हैं, के सामने वे कमज़ोर नज़र आए। आठ साल तक उन्होंने उत्तर कोरिया के बारे में कुछ नहीं किया, बल्कि बराक ने इसे 'रणनीतिक धैर्य' की नीति कहा था।

इसका फायदा उठाकर फ्योंगयांग ने अपने मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रफ्तार दे दी। ट्रम्प, किम जोंग उन से सीधा उलझने से बचते रहे। ट्रम्प ने किम से तीन बार मुलाकात की : 2018 में सिंगापुर में, 2019 में हनोई में, और 2019 में ही उत्तर और दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र में। फोटोऑप तक सीमित ये बैठकें, इसलिए विफल रहीं क्योंकि वे खराब तरीके से तैयार की गई थीं। इसमें 'परमाणु निरस्त्रीकरण' का कोई ठोस लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार, या मिसाइल कार्यक्रमों को वैसे भी नहीं छोड़ने वाला है। उत्तर कोरिया के हवाले से कुछ विशेषज्ञों का आकलन है कि ट्रंप अपने कूटनीतिक टूलबॉक्स से धूल झाड़ सकते हैं, और किम जोंग उन के साथ एक और शिखर सम्मेलन की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किम, परमाणु राज्य का दर्जा पाने की महत्वाकांक्षा त्याग नहीं सकते। पिछले महीने 'नई ह्वासोंग-19 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल' के परीक्षण के बाद, उत्तर कोरिया ने पुष्टि की, कि देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की नीति कभी नहीं बदलेगी। 2023 में, उत्तर कोरिया ने परमाणु शक्ति को मजबूत करने की अपनी नीति को सुदृढ़ करने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। उसने स्पष्ट कर दिया कि परमाणु संपन्न देश बनने की उसकी स्थिति 'अपरिवर्तनीय' बनी हुई है।

पिछले महीने, नौ वर्षों में पहली बार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के रक्षा प्रमुखों के बीच की सुरक्षा परामर्श बैठक के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया। यह एक संभावित संकेत है, कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण अब वास्तविक रूप से प्राप्त करने योग्य नहीं है। यदि किम, ट्रंप के साथ बैठते हैं, तो वे उत्तर कोरिया को परमाणु संपन्न देश के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता दिए जाने पर बातचीत करने का प्रयास करेंगे, तथा 'परमाणु निरस्त्रीकरण' के बजाय 'परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बाद में प्रदत रियायतें मांगेंगे, जो उनके पिछले शिखर सम्मेलनों के दौरान चर्चा में था। कोरिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए कन्वर्जेंस संस्थान के निदेशक नाम सुंग-वुक का कहना है, 'बदले में ट्रम्प इसकी गारंटी ले सकते हैं, कि अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम उत्तर कोरियाई मिसाइलों का मुंह किम घुमा दें।'

सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस-यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने स्वघोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था। उत्तर कोरिया ने रूस में अपने सैन्य कर्मियों को भेजा, जिन्होंने रूसी वर्दी में, और रूसी कमान के तहत रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उत्तर कोरिया का हथियार उद्योग लहलहा रहा है। नवंबर, 2024 के मध्य तक, यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए 50 उत्तर कोरिया निर्मित एम-1989 कोकसन स्व-चालित हॉवित्जर, और लगभग 20 एम-1991 शॉर्ट-रेंज वर्ष 2018 से किम जोंग उन की विदेश यात्राओं पर ग़ौर कीजिये, वह रूस, केवल एक बार गए हैं, और चीन चार बार। इससे अंदाज़ा लगा था, कि रिमोट कंट्रोल प्रेसिडेंट शी के पास है। लेकिन, 2023-24 के दौरान पुतिन-किम शिखर बैठकों ने द्विपक्षीय सहयोग को नए स्तरों पर पहुंचा दिया। इन निराशाओं के बावजूद, चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है, जो कोयला और वस्त्र सहित उसके 90 प्रतिशत निर्यात को खरीदता है। शी की मैच्योर कूटनीति है कि उन्होंने रूस और उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों को तल्ख़ नहीं होने दिया। ट्रम्प के टैरिफ वॉर के बाद, इन संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने की ज़रूरत है!

जीवन मंत्र

मेंटल और इमोशनल स्ट्रेंथ को दिखाती हैं ये 7 आदतें

इमोशनली स्ट्रांग लोगों के अंदर ये हैबिट बहुत ही कॉमन दिखती है। ऐसे लोग खुद के लिए बाउंड्रीज सेट करके रखते हैं और मन में बिना किसी गिल्ट के ऐसे काम या व्यवहार के लिए मना कर देते हैं जो वो नहीं कर सकते।

डिप्रेशन और स्ट्रेस से परेशान रहने वाले लोगों के बीच कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो मेंटल और इमोशनल काफी स्ट्रांग होते हैं। ऐसे लोगों का बिहेवियर निगेटिव चीजों के होने पर बिल्कुल अलग होता है। जिसे अगर नोटिस किया जाए तो पता चलेगा कि ऐसे लोग मेंटली काफी स्ट्रांग होते हैं और किसी भी मुश्किल या विपरीत सिचुएशन में बिल्कुल अलग तरह से चीजों को हैंडल करते हैं। इमोशनली स्ट्रांग लोगों में अक्सर ये 7 तरह की आदतें देखने को मिलती हैं। इमोशनली स्ट्रांग लोगों के अंदर ये हैबिट बहुत ही कॉमन दिखती है।

ऐसे लोग खुद के लिए बाउंड्रीज सेट करके रखते हैं और मन में बिना किसी गिल्ट के ऐसे काम या व्यवहार के लिए मना कर देते हैं जो वो नहीं कर सकते। इमोशनली स्ट्रांग लोग खुद की गलतियों की जिम्मेदारी आसानी से ले लेते हैं और दूसरों पर उसका ठीकरा नहीं फोड़ते, ना ही बहाने बनाते हैं। मन से

मजबूत इंसान किसी भी तरह के ड्रामा को करते नहीं दिखेगा। मतलब ऐसे इंसान किसी की बुराई या फिर गॉसिप में नहीं पड़ते। कैसी भी सिचुएशन क्यों ना हो मन और दिमाग से मजबूत इंसान हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। साथ ही वो अपने लिए मदद मांगने से भी संकोच नहीं करते। क्योंकि उन्हें पता होता है कि कि साइलेंट होकर तकलीफ झेलने से अच्छा है कि तकलीफ को खत्म करने का रास्ता खोजा जाए। मेंटली स्ट्रांग लोग ज्यादातर ऐसे कामों को करते देखे जाते हैं जिनसे उन्हें खुशी मिलती है। इमोशनली स्ट्रांग इंसान को कभी भी दूसरों के अप्रूवल की जरूरत नहीं पड़ती। वो अकेले ही खुश दिखते हैं।

इमोशनली और मेंटली स्ट्रांग लोग कभी भी भावनाओं में बहकर ना बोलते हैं और ना ही कोई काम करते हैं।

ऐसे लोग इमोशनल होने पर भी बहुत सोच-समझकर ही रिस्पांस देते हैं। बदलाव प्रकृति का नियम है और मेंटली स्ट्रांग लोग इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं। वो किसी भी बदलाव को आसानी से स्वीकार कर आगे बढ़ना जानते हैं।

शख्सियत

हरि नारायण आपटे

मराठी के प्रसिद्ध उपन्यासकार, कवि, नाटककार

हरि नारायण आपटे का जन्म 8 मार्च 1864 को हुआ था। पूना में पढ़ते समय इनके भावुक हृदय पर निबंधमालाकार चिपलूणकर और उग्र सुधारक आगरकर का अत्यधिक प्रभाव पड़ा। इसी अवस्था में इन्होंने कई अंग्रेजी कहानियों का मराठी में सरस अनुवाद किया। विद्यार्थी जीवन में ही इन्होंने संस्कृत के नाटकों का तथा स्कॉट, डिकसन्, थैकरे, रेनाल्ड्स इत्यादि के उपन्यासों का गहरा अध्ययन किया और लोकमंगल की दृष्टि से उपन्यासरचना की आकांक्षा इनमें अंकुरित हुई।

सन् १८८५ में इनका 'मघली स्थिति' नामक पहला सामाजिक उपन्यास एक समाचारपत्र में क्रमशः प्रकाशित होने लगा। बी. ए. की परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर इन्होंने 'करमणूक' नामक पत्रिका का संपादन करना आरंभ किया। यह कार्य ये अट्ठाईस वर्षों तक सफलता से करते रहे। इस पत्रिका में इनके लगभग इक्कीस उपन्यास प्रकाशित हुए जिनमें दस सामाजिक और ग्यारह ऐतिहासिक है। मराठी उपन्यास के क्षेत्र में क्रांति का संदेश लेकर ये अवतीर्ण हुए। इनकी रचनाओं से मराठी उपन्याससाहित्य की सर्वांगीण समृद्धि हुई। इनकी सामाजिक कृतियों में समाजसुधार का प्रबल संदेश है। मुख्य सामाजिक उपन्यासों में मछली स्थिति', 'गणपतराव', 'पण लक्षांत कोण वेतों', 'मो' और 'यशवंतराव खरे' उत्कृष्ट हैं। ये चरित्रचित्रण करने में सिद्धहस्त थे। इनकी रचनाओं में यथार्थवाद और ध्येयवाद (आदर्शवाद) का मनोहर संगम है। साथ ही मिल और स्पेंसर के बुद्धिवाद का रोचक विवेचन भी है। इन्होंने मध्यमवर्गीय महिलाओं की समस्याओं का भावपूर्ण एवं कलात्मक चित्रण किया।

ऐतिहासिक उपन्यासों में चंद्रगुप्त, उषःकाल, गड आला पण सिंह गेला और वज्राघात आपटे की उत्कृष्ट कृतियाँ है। इनकी ऐतिहासिक दृष्टि व्यापक और विशाल थी। गुप्तकाल से मराठों की स्वराज्य स्थापना तक के काल पर इन्होंने कलापूर्ण उपन्यास लिखे। 'वज्राघात' इनकी अंतिम कृति है जिसमें दक्षिण के विजयनगरम् राज्य के नाश का प्रभावकारी चित्रण है। इसकी भाषा काव्यपूर्ण और सरस है। इनके सामाजिक उपन्यास ऐतिहासिक उपन्यास जैसे सजीव चरित्रचित्रण से ओतप्रोत है। ये 'सत्यं, शिवं, सुंदरम्' के अनन्य उपासक थे। इनकी कहानियाँ 'स्फुट गोष्ठी' नामक चार पुस्तकों में संगृहीत हैं। इनमें चरित्रचित्रण तथा घटनाचित्रण का मनोहर संगम है।

जीवन ऊर्जा

कार्ल फिलिप इमानुएलः जन्म 8 मार्च 1714

जन्म

संगीत बिना शब्दों के दिल की भाषा है

कार्ल फिलिप इमानुएल बाख शास्त्रीय काल के एक विपुल जर्मन संगीतकार और संगीतकार थे। उन्होंने फ्रेडरिक द ग्रेट के लिए हार्पसीकोर्डिस्ट के रूप में काम किया और उनकी कीबोर्ड रचनाओं और सैद्धांतिक कार्यों के लिए उन्हें अत्यधिक सम्मान दिया गया। उनके संगीत ने मोजार्ट और बीथोवेन जैसे संगीतकारों को प्रभावित करते हुए बारोक और शास्त्रीय युग को जोड़ा। कार्ल फिलिप इमानुएल बाख का जन्म 8 मार्च 1714 को हुआ था और उनका निधन 14 दिसंबर 1788 को हुआ था।

सभी संगीतों का उद्देश्य और अंतिम लक्ष्य ईश्वर की महिमा और आत्मा की ताजगी के अलावा और कुछ नहीं होना चाहिए। जब मैं मर जाऊँगा, तो मेरी कब्र पर कोई हड्डियाँ न तोड़ी जाएँगी; न दुःख भरी आहें भरी जाएँगी; न आँसू बहाए जाएँगे; न कोई दरवाज़ा अपने कब्ज़ों पर चरमराएगा; न कोई दरवाज़ा अपने कब्ज़े पर चरमराएगा, ताकि सभी चुप रहें , और मैं बिना किसी परेशानी के आराम कर सकता हूं। संगीत, जो कि मेरा पसंदीदा जुनून है, में मुझे जो आनंद मिलता है, उसे व्यक्त करना या कल्पना करना असंभव है। मैं संगीत के लिए जीया, और मेरा जीवन चरम सीमाओं की सिम्फनी था। शिल्प कौशल के

बिना, प्रेरणा हवा में हिलती हुई ईख मात्र है। मैं जिन नोट्स को संभालता हूं वे कई पियानोवादकों से बेहतर नहीं हैं। लेकिन नोट्स के बीच का ठहराव - आह, यही वह जगह है जहां कला निवास करती है! संगीत ईश्वर के सम्मान और आत्मा के अनुमेय आनंद के लिए एक अनुकूल सामंजस्य है। सभी अच्छे संगीत का सिद्धांत जुनून को प्रेरित करने की शक्ति है। संगीत बिना शब्दों के दिल की भाषा है। सभी संस्कृति की सच्ची नींव संगीत का ज्ञान और समझ है। संगीत सभी ज्ञान और दर्शन की तुलना में एक उच्च रहस्योद्घाटन है। एक संगीतकार दूसरों को तब तक प्रभावित नहीं कर सकता जब तक कि वह भी प्रेरित न हो जाए। उसे अनिवार्य रूप से उन सभी प्रभावों को महसूस करना चाहिए जो वह अपने दर्शकों में जगाने की उम्मीद करता है, क्योंकि अपने स्वयं के हास्य को प्रकट करने से श्रोता में हास्य की तरह ही उत्तेजना पैदा होगी। संगीत को कभी भी दबाना नहीं चाहिए। मनुष्य को संगीत और सत्य की आवश्यकता है जो वह लाता है। संगीत कानों को प्रसन्न करने के लिए स्वरों को संयोजित करने की कला है। मुझे यह अवश्य स्वीकार करना चाहिए कि यदि मैं आपके मन में संगीत के प्रति जो स्नेह महसूस करता हूँ, उसे जागृत कर सका तो मुझे खुशी होगी। संगीत ईश्वर के सम्मान और आत्मा के अनुमेय आनंद के लिए एक अनुकूल सामंजस्य है। सबसे अच्छी रचनाएँ वे हैं जो तब लिखी गई हैं जब कोई वास्तव में छोटा है और उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। संगीत का उद्देश्य मनुष्य के हृदय को प्रभावित करना चाहिए और उसे इसका आनंद भी लेना चाहिए। आत्मा को ऊपर उठाने और आत्मा को सांत्वना देने के लिए संगीत से अधिक आवश्यक कुछ भी नहीं है।

अपने विचार

हमें सदन की मर्यादा को समझना चाहिए. यह हमारी बपौती नहीं है, बल्कि दिल्ली की जनता ने हमें चुना है, इस कारण हमें वहां पर जाना होता है. ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री और सदन में नेता प्रतिपक्ष को अपने व्यवहार में बदलाव लाना चाहिए.

-मोहन सिंह बिष्ट, डिप्टी स्पीकर, दिल्ली

अब मथुरा के कायाकल्प की बारी है। जैसे अयोध्या सुंदर हो गई, जैसे काशी का कायाकल्प हुआ, जैसे प्रयागराज तीर्थों का राजा हो गया। अब मथुरा का भी विकास होगा।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम,उत्तर प्रदेश

चुनाव के बाद भी नीतीश ही सीएम बनेंगे और वह अपना एक और कार्यकाल पूरा करेंगे। बीजेपी चुनाव के बाद भी नीतीश का समर्थन करती रहेगी।

-सम्राट चौधरी , डिप्टी सीएम, बिहार

परियोजनाएं देरी से नहीं होनी चाहिए महायुति सरकार का मानना है कि यदि कोई बुनियादी ढांचा परियोजना पूरी हो चुकी है, तो उसे नेताओं की उपलब्धता के कारण देरी नहीं होनी चाहिए।

-प्रताप सरनाईक, मंत्री,महाराष्ट्र

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

धर्म की पुनः स्थापना के लिए मैं अवतरित होता हूं

गीता में चौथे अध्याय के एक श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है :

यदा यदा हि धर्मस्य
ग्लानिर्भवति भारत ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥इसका मतलब है, हे भारत, जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं स्वयं की रचना करता हूं, अर्थात् जन्म लेता हूं। मानव की रक्षा, दुष्टों के विनाश और धर्म की पुनःस्थापना के लिए मैं अलग-अलग युगों में अवतरित होता हूं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

1. मत्स्य अवतार :
मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में विष्णु जी मछली बनकर प्रकट हुए थे। मान्यता के अनुसार एक राक्षस ने जब वेदों को चुरा कर समुद्र की गहराई में छुपा दिया था, तब भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार में आकर वेदों को पाया और उन्हें फिर स्थापित किया।

2. वराह अवतार :
वराह अवतार हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से तीसरा अवतार है। इस अवतार में भगवान ने वराहका रूप धारण करके हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया था।

3. कच्छप अवतार :

कूर्म अवतार को 'कच्छप अवतार' भी कहते हैं। इसमें भगवान विष्णु कछुआ बनकर प्रकट हुए थे। कच्छप अवतार में श्री हरि ने क्षीरसागर के समुद्रमंथन में मंदराचल पर्वत को अपने कवच पर रखकर संभाला था। मंथन में भगवान विष्णु, मंदराचल पर्वत और वासुकि सर्प की मदद से देवताओं और राक्षसों ने चौदह रत्न पाए थे।

4. नृसिंह भगवान :
ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से चौथा अवतार नृसिंह हैं। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे शेर और आधे मनुष्य बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। नृसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरणाकश्यप को मारा था।

5. वामन अवतार :
भगवान विष्णु पांचवां अवतार हैं वामन। इसमें भगवान ब्राम्हण बालक के रूप में धरती पर आए थे और प्रहलाद के पौत्र राजा बलि से दान में तीन पद धरती मांगी थी। तीन कदम में वामन ने अपने पैर से तीनों लोक नाप कर राजा बलि का घमंड तोड़ा था।

6. परशुराम :
विष्णु के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। दशावतारों में से वह छठवां अवतार थे। जमदग्नि के पुत्र होने की वजह से इन्हें 'जामदग्न्य' भी कहते हैं। वह शिव के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु शस्त्र दिया था। इनका नाम राम था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे। कहा जाता है इन्होंने पपियोका कई बार विनाश किया था। पपियो के अहंकारी विध्वंश से संसार को बचाने के लिए इनका जन्म हुआ था।

7. श्रीराम :
विष्णु के दस अवतारों में से एक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हैं। महर्षि वाल्मिकि ने राम की कथा संस्कृत महाकाव्य रामायण में लिखी थी। तुलसीदास ने भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस की रचना की थी। राम, अयोध्या के राजा दशरथ और उनकी पहली रानी कौशल्या के पुत्र थे।

8. श्री कृष्ण :
यशोदा नंदन श्री कृष्ण भी विष्णु के अवतार थे। भागवत ग्रंथ में भगवान कृष्ण की लीलाओं की कहानियां है। इनके गोपाल, गोविंद, देवकी नंदन, वासुदेव, मोहन, माखन चोर, मुरारी जैसे अनेकों नाम हैं।

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

उधना एवं जयनगर के बीच होली और ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और इस होली सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं जयनगर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने इसकी जानकारी दी।

ट्रेन संख्या 09031 उधना-जयनगर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 11.25 बजे रवाना होगी और अगले दिन 21.30 बजे जयनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 मार्च से 29 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09032 जयनगर-उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23.00 बजे रवाना होगी और बुधवार को 14.30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 मार्च से 30 जून 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा स्पेशल आंशिक रूप से निरस्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर पश्चिम रेलवे के भांवसा-नारायणा-सखुन खंड में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की व्यवस्था करने के लिए रविवार, 9 मार्च 2025 को ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा स्पेशल आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा स्पेशल 08 मार्च, 2025 को प्रस्थान कर अजमेर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा अजमेर एवं खातीपुरा स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 09002 खातीपुरा-मुंबई सेंट्रल स्पेशल 09 मार्च, 2025 को अजमेर से ओरिजिनेट होगी तथा खातीपुरा एवं अजमेर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

9 मार्च को नहीं रहेगा दिवसकालीन ब्लॉक

पश्चिम रेलवे का वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार अर्थात 8/9 मार्च, 2025 की मध्यरात्रि को वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर 23.30 बजे से 03.00 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01.15 बजे से 04.45 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को विरार से भायंदर/बोरीवली स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर चलाया जायेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन दिशा की कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा प्रारम्भ करते समय उपरोक्त व्यवस्था को ध्यान में रखें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

विरार ईएमयू कारशेड की इंजीनियर शिवांगी सोनी ने गढ़ी सफलता की नई परिभाषा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उन महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है, जो न केवल अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर रही हैं, बल्कि समाज में नई मिसाल भी कायम कर रही हैं। इस वर्ष महिला दिवस का विषय "कार्य में गति लाना" है, जो बदलाव और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे की शिवांगी सोनी एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं, जो विरार ईएमयू कारशेड में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। अपनी लगन, कड़ी मेहनत और तकनीकी दक्षता के बल पर शिवांगी रेलवे क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

जटिल प्रणालियों का कुशल प्रबंधन

शिवांगी की भूमिका में कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की देखरेख शामिल है स्वचालित चेतावनी प्रणाली, यात्री सूचना प्रणाली और CCTV निगरानी प्रणाली। इन तकनीकी प्रणालियों को संभालने में उनकी गहरी विशेषज्ञता और इंजीनियरिंग कौशल स्पष्ट रूप से झलकता है। वे ईएमयू रेक को सुचारू, सुरक्षित और कुशलतापूर्वक चलाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जिससे रेलवे संचालन को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

समर्पण और उत्कृष्टता की यात्रा

शिवांगी सोनी का करियर इस बात का प्रमाण है कि जुनून, दृढ़ संकल्प और मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक करने के बाद उन्होंने रेलवे के ईएमयू कारशेड में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता को निखारा। यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से पुरुषों का वर्चस्व वाला माना जाता है, लेकिन उनकी निडरता और अथक प्रयासों ने उन्हें इस क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम बनाया। अपनी डिग्री पूरी करने के बाद, शिवांगी ने जूनियर इंजीनियर के रूप में पश्चिम रेलवे की महत्वपूर्ण परिचालन इकाई विरार ईएमयू कारशेड में अपनी सेवा शुरू की। यहां उनकी जिम्मेदारियों में तकनीकी प्रणालियों का प्रबंधन, ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और रेल संचालन को सुचारू बनाए रखना शामिल है।

बाधाओं को तोड़ना और नई पीढ़ी को प्रेरित करना

शिवांगी सोनी की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाएं STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) के क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करने को तैयार हों, तो वे किसी भी उद्योग में अपना नाम बना सकती हैं। एक ऐसे क्षेत्र में जहां महिलाओं की भागीदारी कम देखी जाती है, शिवांगी ने यह साबित किया है कि मेहनत, समर्पण और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ हर बाधा को पार किया जा सकता है।

सूरत स्टेशन से ओरिजिनेट और टर्मिनेट ट्रेनों के टर्मिनल में अस्थायी बदलाव

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने के लिए व्यापक पुनर्विकास कार्य जारी है। प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 (फेज-II) पर कॉनकोर्स निर्माण कार्य के चलते पहले 8 मार्च 2025 तक निर्धारित ब्लॉक को अब 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

इस निर्माण कार्य के कारण, सूरत स्टेशन से संचालित कुछ ट्रेनों के टर्मिनल में अस्थायी परिवर्तन किया गया था, जिसे अब 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इन ट्रेनों को अस्थायी रूप से उधना स्टेशन से संचालित किया जा रहा है और यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी। इसी तरह, उधना, भेस्तान और नवसारी स्टेशनों से शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट होने वाली कुछ मेमू और पैसेंजर ट्रेनों की यह व्यवस्था भी अब मार्च के अंत तक जारी रहेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस बदलाव से सूरत स्टेशन पर भीड़भाड़ कम होगी, परिचालन में सुगमता आएगी, यात्री सेवाएं बेहतर होंगी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन संभव होगा।

पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन

बांद्रा टर्मिनस-रीवा स्पेशल को इटारसी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने कुछ होली एवं ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।

डकनिया तलाव की जगह कोटा में रुकने वाली ट्रेनें

ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 12 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 00.35 बजे / 00.40 बजे) में रुकेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 13 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 06.30 बजे / 06.35 बजे) में रुकेगी। ट्रेन संख्या 09185 मुंबई सेंट्रल- कानपुर अनवरगंज सुपरफास्ट स्पेशल 9 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 00.35 बजे / 00.40 बजे) में रुकेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल 10 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 06.30 बजे / 06.35 बजे) पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09417 अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल 10 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 18.20 बजे / 18.25 बजे) पर रुकेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09418 दानापुर - अहमदाबाद स्पेशल 11 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 02.25 बजे / 02.30 बजे) पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09101 वडोदरा-हरिद्वार सुपरफास्ट स्पेशल 8 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 02.40 बजे/02.45 बजे) में रुकेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09102 हरिद्वार-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल 9 मार्च, 2025 से कोटा (आगमन/प्रस्थान 03.50 बजे/03.55 बजे) में रुकेगी।

मुंबई में दिल्ली से दोगुनी से ज्यादा महंगी है संपत्ति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में अगर आप किसी प्राइम जगह पर 99 वर्ग मीटर आवासीय संपत्ति खरीदते हैं तो आपको औसतन 10 लाख डॉलर यानी करीब 8.7 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इतनी ही राशि में दिल्ली में उससे दोगुने आकार यानी 208 वर्ग मीटर की आवासीय संपत्ति खरीदी जा सकती है। बेंगलुरू की बात करें तो वहीं इतनी राशि में 370 वर्ग मीटर की प्रमुख आवासीय संपत्ति हासिल की जा सकती है।

नाइट फ्रैंक की प्रमुख रिपोर्ट द वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार, मोनाको दुनिया के सबसे महंगे शहर के रूप में अपनी अपनी बादशाहत कायम रखे हुए है, जहां 10 लाख डॉलर यानी 8.7 करोड़ रुपये में आपको 19 वर्ग मीटर जगह मिल सकती है, उसके बाद हांगकांग में 22 वर्ग मीटर और सिंगापुर में 32 वर्ग मीटर का स्थान है।

प्राइम इंटरनेशनल रेजिडेंशियल इंडेक्स का मूल्य 2024 में 3.6 प्रतिशत बढ़ा

रिपोर्ट के अनुसार, प्राइम इंटरनेशनल रेजिडेंशियल इंडेक्स (पीआईआरआई 100) का मूल्य 2024 में 3.6 प्रतिशत बढ़ गया है। जिन 100 लग्जरी आवासीय बाजारों पर नजर रखी गई, उनमें से 80 में सकारात्मक या समान वार्षिक मूल्य वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक वृद्धि के मामले में सियोल 18.4 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर है, जबकि पिछले वर्ष सबसे आगे रहने वाला मनीला 17.9 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया है। वहीं, शीर्ष पांच में दुबई (16.9 प्रतिशत), रियाद (16 प्रतिशत) और टोक्यो (12.1 प्रतिशत) शामिल हैं।

रविवार को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 09.03.2025 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा।

माटुंगा - मुलुंड अप और डाउन फास्ट लाइन

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से सुबह 10.56 बजे से दोपहर 3.10 बजे तक छूटने वाली डाउन फास्ट लाइन सेवाओं को माटुंगा स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जो माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच अपने संबंधित ठहराव के अनुसार रुकेंगी और अपने गंतव्यस्थान पर निर्धारित समय से 15 मिनट देरी से पहुंचेंगी। ठाणे से आगे की फास्ट ट्रेनें मुलुंड स्टेशन पर डाउन फास्ट लाइन पर फिर से डायवर्ट की जाएंगी ठाणे से सुबह 11.03 बजे से दोपहर 3.38 बजे तक छूटने वाली अप फास्ट लाइन की सेवाएं मुलुंड स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी, जो मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच अपने-अपने ठहराव के अनुसार रुकेंगी और माटुंगा स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर फिर से डायवर्ट की जाएंगी और अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से 15 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और चूनाभट्टी/बांद्रा के बीच अप और डाउन हार्बर लाइनें

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 11.16 बजे से शाम 4.47 बजे तक वाशी/बेलापुर/पनवेल के लिए प्रस्थान करने वाली डाउन हार्बर लाइन सेवाएं तथा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 10.48 बजे से शाम 4.43 बजे तक बांद्रा/गोरेगांव के लिए प्रस्थान करने वाली डाउन सेवाएं रद्द रहेंगी। पनवेल से सुबह 9.53 बजे से दोपहर 3.20 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए पनवेल/बेलापुर/वाशी से अप हार्बर लाइन सेवाएं तथा बांद्रा से सुबह 10.45 बजे से शाम 5.13 बजे तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए गोरेगांव/बांद्रा से अप सेवाएं रद्द रहेंगी। हालांकि, ब्लॉक अवधि के दौरान पनवेल -कुर्ला - पनवेल के बीच विशेष सेवाएं चलेंगी। हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक मेन लाइन और वेस्टर्न लाइन स्टेशनों से यात्रा करने की अनुमति है

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष आज प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है। भाइयों की मदद मिलेगी।

वृष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

मिथुन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर नजर रखें।

कर्क आज घर में क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा।

कन्या मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

तुला यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें।

धनु नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए।

मकर नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा।

कुंभ कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

घर के प्रेत या पितर रुष्ट होने के लक्षण और उपाय

प्रियंका जैन
9769994439

बहुत जिज्ञासा होती है आखिर ये पितृदोष है क्या? पितृ -दोष शांति के सरल उपाय पितृ या पितृ गण कौन हैं ?आपकी जिज्ञासा को शांत करती विस्तृत प्रस्तुति।

पितृ गण हमारे पूर्वज हैं जिनका ऋण हमारे ऊपर है ,क्योंकि उन्होंने कोई ना कोई उपकार हमारे जीवन के लिए किया है मनुष्य लोक से ऊपर पितृ लोक है,पितृ लोक के ऊपर सूर्य लोक है एवं इस से भी ऊपर स्वर्ग लोक है। आत्मा जब अपने शरीर को त्याग कर सबसे पहले ऊपर उठती है तो वह पितृ लोक में जाती है ,वहाँ हमारे पूर्वज मिलते हैं अगर उस आत्मा के अच्छे पुण्य हैं तो ये हमारे पूर्वज भी उसको प्रणाम कर अपने को धन्य मानते हैं की इस अमुक आत्मा ने हमारे कुल में जन्म लेकर हमें धन्य किया इसके आगे आत्मा अपने पुण्य के आधार पर सूर्य लोक की तरफ बढती है। वहाँ से आगे ,यदि और अधिक पुण्य हैं, तो आत्मा सूर्य लोक को भेज कर स्वर्ग लोक की तरफ चली जाती है,लेकिन करोड़ों में एक आध आत्मा ही ऐसी होती है ,जो परमात्मा में समाहित होती है जिसे दोबारा जन्म नहीं लेना पड़ता मनुष्य लोक एवं पितृ लोक में बहुत सारी आत्माएं पुनः अपनी इच्छा वश ,मोह वश अपने कुल में जन्म लेती हैं।

पितृ दोष क्या होता है?

हमारे ये ही पूर्वज सूक्ष्म व्यापक शरीर से अपने परिवार को जब देखते हैं ,और महसूस करते हैं कि हमारे परिवार के लोग ना तो हमारे प्रति श्रद्धा रखते हैं और न ही इन्हें कोई प्यार या स्नेह है और ना ही किसी भी अवसर पर ये हमको याद करते हैं,ना ही अपने ऋण चुकाने का प्रयास ही करते हैं तो ये आत्माएं दुखी होकर अपने वंशजों को श्राप दे देती हैं,जिसे "पितृ- दोष" कहा जाता है। पितृ दोष एक अदृश्य बाधा है .ये बाधा पितरों द्वारा रुष्ट होने के कारण होती है पितरों के रुष्ट होने के बहुत से कारण हो सकते हैं ,आपके आचरण से,किसी परिजन द्वारा की गयी गलती से ,श्राद्ध आदि कर्म ना करने से ,अंत्येष्टि कर्म आदि में हुई किसी त्रुटि के कारण भी हो सकता है।

डेढ़ माह में दूसरी बार आरटीओ ऑफिस में डीएम की छापेमारी

एजेंसी । लखनऊ

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ कार्यालय में आवेदकों को ठगी का शिकार बना रहे दलालों की शिकायत लखनऊ के जिला अधिकारी को मिली थी जिसके बाद शुक्रवार को जिलाधिकारी पुलिस अधिकारियों के साथ औचक छापेमारी करने आरटीओ कार्यालय पहुंच गए। कार्यालय का निरीक्षण करने से पहले जिलाधिकारी विशाख जी। ने कार्यालय के सामने परिसर में चल रहे साइबर कैफे की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में अवैध तरीके से दुकानें चल रही हैं। इस परिसर को तत्काल सील किया जाए। इसके बाद नगर निगम की टीम परिसर को सील करने पहुंच गई। बता दें कि डेढ़ माह में आरटीओ कार्यालय पर डीएम का दूसरी बार छापा है। इससे पहले तत्कालीन डीएम सूर्यपाल गंगवार ने भी छापेमारी की थी।

सहेलियों से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी

एजेंसी । बरेली

बरेली जिले से समलैंगिक संबंधों को हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शीशगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने गुरुवार शाम को अपने घर में दुपट्टे के सहारे पंखे के कुंडे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतका के पति की तहरीर पर पुलिस ने मृतका की सहेली और उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपियों पर महिला को परेशान करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। सहेली उस पर साथ रहने के लिए दबाव बना रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच समलैंगिक संबंध थे।

बाप की मस्ती ने ले ली बेटे की जान

एजेंसी । चित्रकूट

शादी समारोह में पिता के तमंचे से चली गोली ने उनके ही बेटे की जान ले ली। गोली बेटे के सिर पर लगी और अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात यूपी के चित्रकूट स्थित रैपुरा थाना क्षेत्र के कौबरा की है। घटना के बाद से ही आरोपी पिता तमंचे के साथ फरार है। तहरीर न मिलने पर फिलहाल पुलिस ने अपनी ओर से आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मालूम हो कि कौबरा के बेलहा पुरवा निवासी रुद्र तिवारी की बेटी सलोनी की शादी गुरुवार को थी। शादी में शामिल होने के लिए दुल्हन के मौसा थाना मऊ के नीबी निवासी विष्णु पांडेय अपने बेटे अंश पांडेय (18) के साथ आए थे। देर रात जयमाल के दौरान विष्णु ने तमंचे से हर्ष फायरिंग शुरू कर दी।

अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

गैंगस्टर कानून के तहत दर्ज मामले में मिली अंतरिम जमानत

मऊ/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी को राज्य के गैंगस्टर कानून के तहत दर्ज एक मामले में अंतरिम जमानत दी। सुप्रीम कोर्ट ने विधायक अब्बास अंसारी से लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास से बाहर न निकलने और मऊ निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने से पहले अदालत की अनुमति लेने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मुख्तार अंसारी के बेटे अंसारी को लखनऊ में अपने सरकारी आवास में रहने और मऊ में अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने से पहले अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेने का निर्देश दिया है। पीठ ने अंसारी से कहा कि वह अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उत्तर प्रदेश न छोड़ें और अदालतों में पेश होने से एक दिन पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। शीर्ष अदालत ने अंसारी द्वारा जमानत शर्तों के अनुपालन पर पुलिस से छह सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने कहा कि उन्हें गैंगस्टर अधिनियम मामले को छोड़कर सभी आपराधिक मामलों में जमानत दी गई थी।

जबरन वसूली और मारपीट का आरोप

चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में 31 अगस्त, 2024 को अंसारी, नवनीत सचान, नियाज अंसारी, फराज खान और शाहबाज आलम खान के खिलाफ उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम, 1986 की धारा दो, तीन के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन पर जबरन वसूली और मारपीट का आरोप लगाया गया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी

पिछले साल 18 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस मामले में अंसारी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन पर और कुछ अन्य लोगों पर वित्तीय एवं अन्य लाभ के लिए गिरोह बनाने का आरोप लगाया गया था।

6 सितंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था

अंसारी मऊ निर्वाचन क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक हैं। जमानत याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा था कि मामले में जांच जारी है। इस मामले में उन्हें छह सितंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं 7 न्यायाधीश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द सात नए न्यायाधीश मिल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने वकील कोटे से सात नामों की केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी है। सीजेआई की अध्यक्षता में आयोजित सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने आनंद शर्मा, सुनील बेनीवाल, संदीप तनेजा, मुकेश राजपुरोहित, संदीप शाह, बलजिंदर सिंह संधू और शीतल मिर्धा के नामों की केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी है। जल्द केन्द्र सरकार की ओर से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति भवन से उनकी नियुक्ति वारंट जारी किए जाएंगे।

राम मंदिर को खतरा!

आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई

अयोध्या। फरीदाबाद में जिले के मिल्कीपुर निवासी एक संदिग्ध आंतकी के पकड़े जाने के बाद अयोध्या में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पूछताछ में खुलासा हुआ था कि राममंदिर को उड़ाने की साजिश रची जा रही थी। इसको देखते हुए पिछले तीन-चार दिनों से राममंदिर व आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार रात सुरक्षा बलों ने राममंदिर के आसपास के घरों में रहने वाले लोगों को हिदायत दी कि अपने घर में अपरिचित को न रोकें। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे की अगुवाई में सुरक्षाबलों ने राममंदिर के आसपास के इलाकों में बृहस्पतिवार रात भ्रमण कर संदिग्ध मिले युवकों से पूछताछ की। कटरा, दुराही कुंआ, जैन मंदिर के पीछे, टेढ़ीबाजार आदि क्षेत्रों में रह रहे लोगों को घर में किसी भी अपरिचित को न रोकने की हिदायत दी गई।

40 लाख के 11 इनामी हार्डकोर माओवादियों का सरेंडर

एजेंसी । नारायणपुर

बस्तर में नक्सलियों का आत्मसमर्पण लगातार जारी है। नारायणपुर और उत्तर बस्तर के कुल 11 सक्रिय माओवादियों ने पुलिस और सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इन सभी पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम घोषित था। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि माड़ और नारायणपुर जिले में चलाए जा रहे समग्र विकास कार्यों, पुलिस और सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई और सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर इन माओवादियों ने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया।

बस्तर में बढ़ी विकास की रफ्तार

नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में तेजी से सड़कों का निर्माण, गांवों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच और सुरक्षाबलों की प्रभावी रणनीति से नक्सलवाद की कमर टूट रही है। यही वजह है कि लगातार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। आने वाले समय में और भी नक्सली आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

एंटी नक्सल ऑपरेशन

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 4 पुरुष और 7 महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति के तहत 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसके अलावा, पुनर्वास नीति के तहत उन्हें रोजगार, शिक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार में चुनाव लड़ेगी एनडीए

एजेंसी । पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार का एक और कार्यकाल के लिए समर्थन करेगी। सम्राट चौधरी ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) किसी नए चेहरे को आगे बढ़ा सकता है। सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत का पार्टी में आना उनका व्यक्तिगत और जद(यू) का आंतरिक मामला है।

कल भी, आज भी और कल भी होंगे नीतीश

वहीं सम्राट चौधरी ने राज्य में एनडीए के मुख्य प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव को राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा ''मात्र प्रतिनिधि'' करार दिया। यह पूछे जाने पर कि अगले बिहार विधानसभा चुनाव में राजग में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होंगे? इस पर सम्राट चौधरी ने कहा, ''बिहार की राजनीति में यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि राजग के नेता नीतीश कुमार हैं। वह 1996 से गठबंधन के नेता हैं। भारतीय जनता पार्टी इनके नेतृत्व में सहज रही है। कल भी नीतीश थे, आज भी नीतीश हैं और कल भी नीतीश कुमार ही रहेंगे।''

यूपी के 59 शहरों का होगा जीआईएस बेस्ड विकास

अयोध्या-अलीगढ़ सहित कई शहर शामिल

लखनऊ। योगी सरकार ने जीआईएस (ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम) बेस्ड महायोजना का खाका तैयार किया है। इसके तहत प्रदेश के 59 शहरों का उन्नत तकनीक और हाईटेक सुविधाओं से विकास किया जाएगा। इस फैसले से प्रदेश के विभिन्न शहरों को शहरीकरण की सही दिशा मिलेगी और शहरों के बुनियादी ढांचे को और अधिक मजबूत किया जाएगा। सीएम योगी ने महायोजना के तहत 35 शहरों को आधुनिकीकरण के लिए मंजूरी दे दी है। वहीं शेष को जल्द ही हरी झंडी दे दी जाएगी। इन शहरों में अयोध्या, अलीगढ़, सहारनपुर, देवरिया, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, मथुरा, आजमगढ़, प्रयागराज, बरेली, गाजीपुर, रामनगर, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर सहित अन्य शहर शामिल हैं। इन शहरों में उन्नत तकनीकी विकास और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस तरह होगी स्मार्ट प्लानिंग और शहरी विकास

योगी सरकार जीआईएस तकनीक का उपयोग करके शहरों को वैज्ञानिक और डेटा-आधारित बनाएगी। इसके जरिये शहरों की सड़कों, जल निकासी प्रणाली, ग्रीन स्पेस, ट्रैफिक मैनेजमेंट, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय मामलों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जाएंगी। इस तकनीक से शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित विकास को रोकने और योजनाबद्ध तरीके से बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। महायोजना के तहत शहरों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सके। इन शहरों में ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित वाहनों की समस्या को दूर करने के लिए आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा।

बारिश के पानी की निकासी और जलभराव से बचाव के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। वहीं बसों, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया जाएगा।

व्यापार जगत

भारत में AI क्रांति की नई शुरुआत

अश्विनी वैष्णव ने लॉन्च किया इंडियाAI कंप्यूट पोर्टल और AI कोश

भारतीय AI मॉडल होगा डेवलप

27 शहरों में AI डेटा लैब बनाएगी सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के इंडियाAI मिशन की पहली वर्षगांठ के मौके पर केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को इंडियाAI कंप्यूट पोर्टल और AI कोश डेटा सेट प्लेटफॉर्म सहित कई नई पहल लॉन्च कीं। इन कदमों का उद्देश्य देश में एआई इनोवेशन को बढ़ावा देना और तकनीक तक पहुंच को सरल बनाना है।

18,000 से ज्यादा GPUs की शक्ति

यह नया क्लाउड-आधारित पोर्टल छात्रों, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी विभागों को 18,000 से अधिक GPUs, क्लाउड स्टोरेज और अन्य AI सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा। इसके जरिए भारत का खुद का फाउंडेशनल मॉडल विकसित करने की तैयारी की जा रही है। वैष्णव ने बताया कि इस उद्देश्य के लिए 67 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने चंद्रयान मिशन का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने बेहद कम लागत में चंद्रमा पर कदम रखा और इसी रणनीति के तहत अपना फाउंडेशनल मॉडल भी विकसित करेगा, जो अन्य देशों की तुलना में बेहद कम खर्चीला होगा।

AI कोश: भारत का अपना डेटा सेट प्लेटफॉर्म

AI कोश एक ऑल-इन-वन डेटा सेट प्लेटफॉर्म है, जो उच्च गुणवत्ता वाले गैर-व्यक्तिगत डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करेगा। यह एआई मॉडल बिल्डरों और डेवलपर्स को भारत-केंद्रित AI मॉडल विकसित करने में मदद करेगा। इस प्लेटफॉर्म पर टूल्स, संसाधन और विशेषज्ञ मार्गदर्शन भी मिलेगा ताकि नई तकनीकी संभावनाओं को उद्योग समाधान में बदला जा सके। वैष्णव ने कहा कि अगले 3-4 वर्षों में भारत अपने खुद के GPU विकसित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में इन GPUs का उपयोग बेहद कम लागत (100 रुपये प्रति घंटे से भी कम) पर किया जा सकेगा।

अन्य AI पहलें भी हुईं लॉन्च

इंडियाAI मिशन के तहत, MeitY सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि कंप्यूट पोर्टल इस मिशन का सबसे बड़ा घटक है, और इसके लिए मिशन की कुल निधि का 45% हिस्सा आवंटित किया गया है। इसके अलावा, सरकार ने AI और पब्लिक सेक्टर अधिकारियों के लिए एक कौशल ढांचा (Competency Framework) और इंडिया AI स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेशन प्रोग्राम भी लॉन्च किया। इंडिया AI फेलोशिप प्रोग्राम के तहत छात्रों को सम्मानित किया गया और 30 AI अनुप्रयोगों को विशेष पहचान दी गई।

इस साल औसत वेतन में 8.8 प्रतिशत होगी बढ़ोतरी

भारतीय कंपनियां वेतन वृद्धि बजट संतुलित करने पर दे रहीं जोर

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में भारतीय कंपनियां औसत वेतन वृद्धि को 8.8 प्रतिशत तक सीमित रख सकती हैं। डेलॉइट इंडिया के शुक्रवार को जारी स्टैलेंट आउटलुक 2025₹ सर्वेक्षण के अनुसार, कंपनियां वेतन वृद्धि लागत को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

75% कंपनियां वेतन वृद्धि घटाने या स्थिर रखने पर विचार कर रही हैं

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 75 प्रतिशत कंपनियां या तो वेतन वृद्धि को घटाने की योजना बना रही हैं या इसे पिछले साल के समान स्तर पर बनाए रखेंगी। उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में वेतन वृद्धि के बजट में उल्लेखनीय कमी की संभावना जताई गई है। सर्वेक्षण के मुताबिक, शीर्ष प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को औसत प्रदर्शन करने वालों की तुलना में 1.7 गुना अधिक वेतन वृद्धि मिलने की संभावना है, हालांकि यह पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा कम है। कनिष्ठ प्रबंधन और व्यक्तिगत योगदानकर्ता स्तर के कर्मचारियों को शीर्ष प्रबंधन की तुलना में 1.3 गुना अधिक वेतन वृद्धि मिल सकती है। पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों की संख्या 12 प्रतिशत पर स्थिर रहने की उम्मीद है,

कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना

सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 2024 में कर्मचारियों की संख्या में 17.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी, इसके बावजूद 80 प्रतिशत कंपनियां आगामी वित्तीय वर्ष में अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां भविष्य में विस्तार के लिए तैयार हैं।

सोना 89,000 के स्तर से फिसला, चांदी में तेजी जारी

नई दिल्ली। कमजोर घरेलू मांग के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे गिर गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये की गिरावट के साथ 88,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा दिन था जब सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं और खुदरा खरीदारों की कमजोर मांग के कारण सोने में यह गिरावट आई। इसके विपरीत, चांदी की कीमत में 500 रुपये की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे यह 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यह लगातार चौथा सत्र था जब चांदी में तेजी जारी रही। पिछले चार कारोबारी दिनों में चांदी 3,100 रुपये महंगी हो चुकी है।

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी

सेंसेक्स और निफ्टी सपाट स्तर पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में लगातार दो दिनों से जारी तेजी शुक्रवार को थमती नजर आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसके बाद सेंसेक्स मामूली कमजोरी और निफ्टी हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,332.58 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 अंक पर बंद हुआ।आज के कारोबार में आईटी, रियल्टी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव दिखा।

न्यूज़ ब्रीफ

अरविंद प्राग मास्टर्स खिताब के करीब

एजेंसी । प्राग

ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में पहला बड़ा टूर्नामेंट जीतने के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को चेक गणराज्य के डेविड नावारा से ड्रॉ खेलकर अपनी एकल बढ़त कायम रखी है। उनके अब 5.5 अंक हो गए हैं जो हमवतन आर प्रज्ञाननंदा (5) से आधा अंक अधिक हैं। प्रज्ञाननंदा ने वियतनाम के कुआंग लीम ली के साथ अंक बांटे। आखिरी दौर में अरविंद का सामना तुर्किये के एडिज गुरेल से और प्रज्ञाननंदा का नीदरलैंड्स के अनीश गिरि से होगा। पहले तीन मुकाबले हारने के बाद चीन के ग्रैंडमास्टर वेइ यि ने शानदार वापसी करते हुए स्थानीय खिलाड़ी एंगुयेन थाइ दाइ वान को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

हमें ओलंपिक की मेजबानी करनी ही चाहिए : महेश भूपति

कोलकाता। भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है, लेकिन क्या यह तर्कसंगत विचार है, खासकर जब भारत खेलों की महाशक्ति नहीं है? इस सवाल पर टेनिस दिग्गज महेश भूपति का स्पष्ट जवाब 'हां' था। रेवस्पोर्ट्ज़ ट्रेलब्लेज़र्स 3.0 कॉन्क्लेव में शुक्रवार को भूपति ने कहा, 'हमें 2036 या 2046 में ओलंपिक की मेजबानी करनी ही चाहिए।' भूपति ने माना कि भारत में क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को संसाधनों की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई पैसा गांवों और जिलों तक पहुंचाता है।

रेस्ट ऑफ इंडिया टीम के कप्तान बने समीर रिज़वी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट समिति ने रेस्ट ऑफ इंडिया टीम की घोषणा कर दी है, जो कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के विजेता पंजाब के खिलाफ खेलेगी। उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली बल्लेबाज समीर रिज़वी को टीम का कप्तान बनाया गया है, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। मैकनील एचएन को उप-कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। यह चार दिवसीय मैच 9 से 12 मार्च तक मोहाली के आई.एस. बिंद्रा स्टेडियम में खेला जाएगा।

स्पिन चौकड़ी से चौकन्ना न्यूजीलैंड

- पाक के खिलाफ जिस पिच पर खेला था भारत उसी पर होगा फाइनल
- भारतीय फिरकीबाजों से निटपना चुनौतीपूर्ण होगा पर विलिम्यसन से उम्मीद: कोच

एजेंसी । दुबई

भारतीय स्पिनरों ने फाइनल से पहले ही न्यूजीलैंड की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ग्रुप चरण में वरुण चक्रवर्ती की अगुआई में भारतीय फिरकी गेंदबाजों ने इसी मैदान पर न्यूजीलैंड के नौ विकेट गिराकर उसे बुरी तरह पछाड़ दिया था। अब खिताबी मुकाबले में भी भारतीय टीम चार स्पिनरों के साथ उतरने की योजना बना रही है। फाइनल मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की उसी पिच पर खेला जाएगा, जहां पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में स्पिनरों को काफी मदद मिली थी। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड भी मानते हैं कि भारत का चौतरफा स्पिन आक्रमण उनकी टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

भारतीय स्पिन आक्रमण से निपटने की तैयारी

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'भारत शायद हमारे खिलाफ एक बार फिर स्पिन आक्रमण की रणनीति अपनाएगा, लेकिन हमारे पास भी चार स्पिनर हैं। हमारी टीम संतुलित है, लेकिन हमें भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करना होगा।' वरुण चक्रवर्ती की विविधता खासतौर पर न्यूजीलैंड के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। उनकी लेग ब्रेक और सीम मूवमेंट वाली गेंदें बल्लेबाजों को चकमा देने में सक्षम हैं। उन्होंने पिछले मैच में मिचेल सेंटनर को 113 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी गई गेंद पर आउट कर अपनी काबिलियत साबित की थी।

- 7 विकेट चक्रवर्ती ने दो मैचों में 4.55 की इकोनॉमी से और 13 की औसत से चटकाए हैं
- अब तक 21 विकेट झटक चुके हैं भारतीय स्पिनर इस टूर्नामेंट में

स्पिनरों के खिलाफ केन का प्रदर्शन

रन	औसत	स्ट्राइक रेट	गेंद खेलीं
2952	50.89	85.78	3441

विलियम्सन पर टिकी होंगी न्यूजीलैंड की उम्मीदें

ऐसे में न्यूजीलैंड की नजरें एक बार फिर अपने सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज केन विलियम्सन पर टिकी होंगी। शानदार फॉर्म में चल रहे विलियम्सन ने भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में 81 रनों की पारी खेलकर अपनी क्षमता साबित की थी। वह स्पिनरों को खेलने में माहिर माने जाते हैं और उनकी तकनीकी दक्षता न्यूजीलैंड के लिए अहम साबित हो सकती है।

विलियम्सन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

स्टीड ने आगे कहा, 'केन विलियम्सन बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कई बार न्यूजीलैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। क्रिकेट में रनों की कोई गारंटी नहीं होती, लेकिन मुझे विश्वास है कि वह अपनी पूरी कोशिश करेंगे। उनके पास विभिन्न परिस्थितियों में ढलने की असाधारण क्षमता है, जो हमारे लिए निर्णायक साबित हो सकती है।' फाइनल में भारत के स्पिनरों का जलवा देखने को मिलेगा या फिर विलियम्सन की बल्लेबाजी न्यूजीलैंड को जीत दिलाएगी, यह मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है।

महिला प्रीमियर लीग

जीत के साथ विदा होना चाहेगी यूपी वॉरियर्स

एजेंसी । लखनऊ

टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ी यूपी वॉरियर्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इस सत्र को अलविदा कहना चाहेगी। हालांकि, इसके लिए उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टीम ने कई अहम मौके गंवाए और एक इकाई के रूप में अच्छा खेल दिखाने में नाकाम रही।

तालिका में सबसे नीचे यूपी, बेंगलुरु की भी मुश्किलें बरकरार

सात मैचों में केवल चार अंकों के साथ यूपी वॉरियर्स तालिका में सबसे निचले पायदान पर है और तकनीकी रूप से ही प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। दूसरी ओर, गत चैंपियन बेंगलुरु के लिए भी यह सत्र चुनौतीपूर्ण रहा है। उसके छह मैचों में सिर्फ चार अंक हैं और वह लगातार चार मुकाबलों में हार चुकी है। हालांकि, उसके पास अभी एक और मैच बचा है जिससे प्लेऑफ की उम्मीदें बनी हुई हैं। स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली टीम इस मैच में बदला चुकता करने के इरादे से उतरेगी, क्योंकि पिछले मैच में उन्हें सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था। यूपी वॉरियर्स पूरे टूर्नामेंट में बार-बार बदलाव करने के बावजूद स्थिरता हासिल करने में असफल रही। खासतौर पर बल्लेबाजी क्रम में काफी फेरबदल किया गया, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। टीम ने विदेशी बल्लेबाजों को पारी की शुरुआत करने का मौका दिया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। किरण नवगिरे को शीर्ष तीन में बनाए रखा गया, लेकिन उनका प्रदर्शन अस्थिर रहा।

हरमनप्रीत कौर पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी । लखनऊ

मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना देना होगा। यह घटना यूपी की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब अंपायर अजितेष अर्गल ने धीमी ओवरगति के कारण मुंबई इंडियंस पर पेनल्टी लगाते हुए आखिरी ओवर में सिर्फ तीन फील्डरों को सर्कल के बाहर रखने का निर्देश दिया। इस फैसले से नाखुश हरमनप्रीत ने अंपायर से बहस की, जिसमें उनकी साथी खिलाड़ी एमेलिया केर भी शामिल हो गईं।

डब्ल्यूपीएल ने दी सजा

डब्ल्यूपीएल ने बयान जारी कर कहा, 'हरमनप्रीत कौर ने धारा 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने से संबंधित है।' नियमों के अनुसार, लेवल 1 के अपराध में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होता है। इस विवाद के दौरान यूपी वॉरियर्स की इंग्लिश खिलाड़ी सोफी एक्सेलेटन भी अंपायर की ओर बढ़ीं, लेकिन हरमनप्रीत ने उन्हें इस बातचीत से अलग रहने का इशारा किया।

स्टोक्स हो सकते हैं इंग्लैंड के सीमित ओवरों के नए कप्तान

एजेंसी । लंदन

जोस बटलर के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स सीमित ओवरों के प्रारूप में भी अगली कप्तानी संभाल सकते हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक रॉब की ने स्टोक्स की कप्तानी क्षमताओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें नजरअंदाज करना मूर्खता होगी।

इंग्लैंड लायंस के साथ अभ्यास कर रहे स्टोक्स

स्टोक्स इस समय अबूधाबी में इंग्लैंड लायंस अभ्यास समूह के साथ हैं। वह जून-अगस्त में भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले पूरी तरह फिट होने की तैयारी कर रहे हैं। 33 वर्षीय स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर थे और उन्होंने 2023 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया था।

बटलर ने बीच टूर्नामेंट में छोड़ी कप्तानी

इंग्लैंड चैंपियंस ट्रॉफी में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया था, जिससे बटलर ने टूर्नामेंट के बीच में ही कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। इससे पहले भारत के खिलाफ सीरीज में भी इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था। रॉब की ने कहा, 'स्टोक्स सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक हैं।

मैकुलम के साथ तालमेल स्टोक्स के पक्ष में

स्टोक्स का कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ अच्छा तालमेल है, जिससे उनकी दावेदारी को और बल मिलता है। मैकुलम के सीमित ओवरों का प्रभार संभालने के बाद इंग्लैंड ने 11 में से 10 मैच गंवाए हैं, जबकि 2022 से अब तक इंग्लैंड ने 35 में से 32 टेस्ट मैच जीते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी डायरी

फाइनल में वरुण सबसे बड़ा खतरा : स्टीड

एजेंसी । दुबई

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने स्वीकार किया कि चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उनकी टीम के लिए वरुण चक्रवर्ती सबसे बड़ा खतरा होंगे। इस रहस्यमयी स्पिनर से निपटने के लिए उनकी टीम को अपनी सोच का दायरा बढ़ाना होगा। उन्होंने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, उसने हमारे खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट लिए थे। इसलिए हमें पूरी उम्मीद है कि वह खेलेगा। वह बहुत अच्छा गेंदबाज है और हमारे खिलाफ पिछले मैच में उसने अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया था। वह इस मैच में हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए हमें अपनी सोच इस पर केंद्रित करनी होगी।

रोहित बड़ा स्कोर बनाने का लक्ष्य रखे : गावस्कर

एजेंसी । नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उन्हें लंबी पारी खेलने पर ध्यान देना चाहिए। क्रीज पर उनकी मौजूदगी भारत के लिए मैच का रुख बदलने वाला असर डाल सकती है। उन्होंने कहा, (अगर) वह (रोहित) 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180-200 रन के आसपास होगा। सोचिए कि अगर उन्होंने तब तक सिर्फ दो विकेट खो दिए तो जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 रन या इससे अधिक के स्कोर तक पहुंच सकते हैं।

मैच तक फिट हो जाएंगे हेनरी

एजेंसी । दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी कंधे की चोट के कारण फाइनल से बाहर हो सकते हैं। हालांकि कोच गैरी स्टीड को उम्मीद है कि वह रविवार को फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। हेनरी ने अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक दस विकेट लिए हैं। इसमें भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट शामिल हैं। हेनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल के दौरान घायल हो गए थे । स्टीड ने कहा, मैट के कंधे में चोट लगी है और वह असहज महसूस कर रहा है। उसका स्कैन कराया गया है और उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा।

मुंबई के मैदानों से

अंतिम आठ में ईशप्रीत सिंह चड्ढा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियन ईशप्रीत सिंह चड्ढा सीसीआई स्थित विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में खेले जा रहे अखिल भारतीय सीसीआई स्नूकर क्लासिक प्रतियोगिता के 16वें राउंड के मुकाबले में रेयान रॉज़मी को 72-26, 91(91)-11, 7-66, 58-17, 67-42 से पराजित करके प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 22 वर्षीय रेयान रॉज़मी ने चड्ढा को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कुछ ऐसे मौके आये, जिसे वे अपने पक्ष में नहीं कर सके, जिसके कारण उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरे मुकाबले में फैजल खान ने आदित्य मेहता को 89-32, (84(84)-35, 67-39, 48-62, 66-53 से पटकनी दी और प्रतियोगिता के अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

टेबल टेनिस वर्कशॉप का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जूनियर टेबल टेनिस टीम के कोच जगदीप भिवंडकर ने महाराष्ट्र में टेबल टेनिस को बढ़ावा देने हेतु टेबल टेनिस वर्कशॉप की शुरुआत की है। जगदीप भिवंडकर ने इस टेबल टेनिस वर्कशॉप के माध्यम से प्रदेश के कोने-कोने से टेबल टेनिस खिलाड़ियों का चुनाव करके उनको गहन प्रशिक्षण देंगे, जिसके कारण कि ये खिलाड़ी मैच के दौरान होने वाले जबरदस्त तनाव को झेलकर अपना सर्वांगीण प्रदर्शन करने में सक्षम हों। बतौर भिवंडकर पहला वर्कशॉप सोलापुर जिला टेबल टेनिस संघ के पूर्ण समर्थन के साथ नौ मार्च, रविवार को सोलापुर में और उसके बाद 10 मार्च, सोमवार को उस्मानाबाद जिला टेबल टेनिस संघ के समर्थन के साथ धाराशिव में कोचिंग सत्र होगा। उसके बाद मराठवाड़ा, विदर्भ, उत्तर महाराष्ट्र और कोकण से उभरते हुए खिलाड़ियों का चयन करके उनको एक साल तक निशुल्क गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महिला दिवस पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी हाईवे

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब महिला दिवस के मौके पर 2014 में आई आलिया भट्ट की फिल्म 'हाईवे' भी सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देने जा रही है।

मेकर्स ने दी जानकारी

इसकी जानकारी खुद फिल्म के मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर दी गई है। फिल्म को आज यानी कि 7 मार्च से सिनेमाघरों में फिर से देखा जा सकता है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'इस महिला दिवस पर स्वतंत्रता और शक्ति की यात्रा पर निकलें। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट परिवार निडर महिलाओं की भावना का जश्न मनाता है। हाईवे 7 मार्च 2025 को रिलीज हो रही है।' इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी ये फिल्म 7 मार्च से 13 मार्च तक वूमेंस डे वीक में पीवीआर और आइनॉक्स सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। 'हाईवे' के री-रिलीज के बारे में बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने कहा, ' 'हाईवे' हमारी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है और आज भी इसे बहुत प्यार मिलता है। यह एक यादगार फिल्म है जिसे फिर से देखा जाना चाहिए। फिल्म में आलिया भट्ट और रणदीप हुड्डा ने बेहतरीन अभिनय किया है।

सोशल मीडिया की दुनिया में सच्ची प्रेम कहानी दिखाएगी 'इन गलियों में'

'इन गलियों में' फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। फिल्म में आज के जमाने की प्रेम कहानी दिखाई गई है, जहां दो दिल सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ते हैं, लेकिन अपने प्यार को हासिल करने के लिए उन्हें दुनिया से लड़ना है, जिसकी सच्चाई यह है कि वह अलग-अलग मजहबों में दोस्ती तो बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन प्रेमी नहीं।

फिल्म का ट्रेलर जारी

अपने होली सॉन्ग 'उड़ा हवा में रंग है' से लोगों का दिल जीतने के बाद अब फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर लोगों को आकर्षित कर रहा है। अविनाश दास के निर्देशन में बनी यह फिल्म आज की दुनिया में प्यार, सामाजिक रिश्तों और सोशल मीडिया की ताकत पर आधारित है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सोशल मीडिया के जरिए विवान शाह को अवंतिका से प्यार हो जाता है और अभिनेत्री को प्रपोज करने में वह खूब पापड़ बेलते हैं।

प्यार पाने की जद्दोजहद

हालांकि, जब दोनों के बीच प्यार होता है, तब समाज की वो परेशानी उनके सामने आती है, जिससे लड़ने में खुद को कमजोर महसूस कर रहे हैं। कहानी उन गलियों की है, जहां हिंदू-मुस्लिम साथ रहते तो हैं, लेकिन दिल से साथ नहीं दिखते। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के प्यार को लोग समर्थन दे रहे हैं। ऐसे में दो प्रेमियों का प्यार क्या उनके रीति-रिवाजों से आगे बढ़ अपनी मंजिल हासिल करेगा या नहीं? यह फिल्म में ही पता चलेगा।

फिल्म के कलाकार

अवंतिका और विवान शाह फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ जावेद जाफरी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यदुनाथ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत 'इन गलियों में' विनोद यादव और नीरू यादव द्वारा निर्मित और जांनिसार हुसैन, आदर्श सक्सेना, संजीव गोस्वामी और अल्कोर प्रोडक्शंस द्वारा सह-निर्मित है। अविनाश दास द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीवीआर-आईनॉक्स का बड़ा ऐलान

पेश किया 'सिनेमा का जादूगर' फिल्म फेस्टिवल

आमिर खान 14 मार्च को अपना 60वां जन्मदिन मनाने जा रहे हैं, और इस खास मौके पर उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ा सरप्राइज तैयार है। पीवीआर-आईनॉक्स ने 'आमिर खान: सिनेमा का जादूगर' नामक एक विशेष फिल्म महोत्सव की घोषणा की है। इस फेस्टिवल के तहत उनकी कुछ यादगार फिल्में फिर से बड़े पर्दे पर दिखाई जाएंगी। इनमें 'लगान', 'तारे जमीन पर', 'रंग दे बसंती', 'दिल चाहता है' और 'PK' जैसी आइकॉनिक फिल्में शामिल हैं।

पीवीआर-आईनॉक्स ने 'आमिर खानः सिनेमा का जादूगर' महोत्सव की घोषणा करते हुए लिखा, 'आपने उन्हें देखा, उनके काम से प्रेरित हुए। अब फिर से बड़े पर्दे पर उनकी प्रतिभा का अनुभव करने का मौका आया है।' 14 से 27 मार्च तक आयोजित इस विशेष फिल्म महोत्सव में सिनेमा की दुनिया में आमिर खान के योगदान को सम्मानित किया जाएगा। दर्शकों को उनकी यादगार फिल्मों के जरिए पुरानी यादों, भावनाओं और सिनेमाई जादू का अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इस महोत्सव से जुड़ी विस्तृत जानकारी 9 मार्च को शेयर की जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

सेना के T-72 टैंकों के लिए रूस से इंजन खरीदेगा रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के टी-72 टैंकों के इंजन की खरीद के लिए रूस के साथ 24.8 करोड़ के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने रूसी संघ के रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (RoE) के साथ 248 मिलियन डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत T-72 टैंकों के लिए 1000 एचपी के इंजन की खरीद की जाएगी। यह इंजन पूरी तरह से तैयार और अर्ध-तैयार अवस्था में होंगे।

पेगासस मामले में 22 अप्रैल को 'सुप्रीम' सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जासूसी के लिए इस्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस का इस्तेमाल करने के आरोपों की जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर 22 अप्रैल को सुनवाई की तारीख तय की है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह मामला काफी समय बाद आया है और उन्होंने इस पर अप्रैल में सुनवाई करने का आग्रह किया।

नई दिल्ली में बंद होंगे 250 मोहल्ला क्लिनिक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि 250 मोहल्ला क्लिनिक बंद होंगे। मोहल्ला क्लिनिक कागजों पर ही चल रहे हैं। किराए की बिल्डिंग में चलते हैं। हर महीने 20 हजार से 25 हजार किराए का भुगतान किया जाता है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इस पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन का कहना है कि दिल्ली में 550 मोहल्ला क्लिनिक खोले गए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि इन्हें बंद न किया जाए। इससे आम आदमी को फायदा होता है।

त्रिशूर में कार पेड़ से टकराई, पिता-पुत्री की मौत

कोराट्टी। केरल में समीपवर्ती कोराट्टी में शुक्रवार की सुबह एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण उसमें सवार एक व्यक्ति और उसकी बेटी की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान एर्नाकुलम जिले के कोठामंगलम निवासी जैमन (42) और उसकी बेटी जोयना (11) के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए कोराट्टी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना सुबह करीब छह बजे उस समय हुई जब कार पलक्कड़ जा रही थी।

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद

इलाहाबादिया और मखीजा ने राष्ट्रीय महिला आयोग से मांगी माफी

एजेंसी । नई दिल्ली

यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मखीजा ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर की गई अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग से लिखित में माफी मांगी है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई उनकी टिप्पणियां 'कतई स्वीकार्य नहीं' हैं।

एनसीडब्ल्यू के सामने हुए पेश

इलाहाबादिया, मखीजा और शो के निर्माता सौरभ बोथरा एवं तुषार पुजारी गुरुवार को यहां राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के समक्ष पेश हुए। सूत्रों के अनुसार, दोनों यूट्यूबर्स से कई घंटे तक पूछताछ की गई। रहाटकर ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग अनुचित भाषा के प्रयोग को बर्दाशत नहीं करेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'तुषार पुजारी, सौरभ बोथरा, अपूर्वा मखीजा और रणवीर इलाहाबादिया-चार लोग आयोग के समक्ष पेश हुए। आयोग अनुचित भाषा के इस्तेमाल को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसी टिप्पणियां कतई स्वीकार्य नहीं हैं।'

> सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें नोटिस जारी किए गए थे। वे आयोग के समक्ष पेश हुए और गहरा खेद व्यक्त किया।
> विजया रहाटकर, अध्यक्ष, एनसीडब्ल्यू

लिखित में माफी दी

रहाटकर ने कहा कि इन लोगों ने अपनी टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए उन्हें नोटिस जारी किए गए थे। वे आयोग के समक्ष पेश हुए और गहरा खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए थी और माफीनामा (लिखित में माफी) दिया है।'

भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराएंगे

रहाटकर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने कहा कि उनसे बहुत बड़ी गलती हुई है और वे भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराएंगे। रहाटकर ने कहा कि उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों से किसी को ठेस न पहुंचे। रहाटकर ने कहा कि इलाहाबादिया ने विशेष रूप से एनसीडब्ल्यू को आश्वासन दिया कि वह भविष्य में अधिक सावधान रहेंगे।

यह पहली और आखिरी बार

उन्होंने कहा, 'यह पहली और आखिरी बार है जब ऐसी गलती हुई है। अब मैं सोच समझ कर सम्मान के साथ महिलाओं के बारे में कुछ बोलूंगा।' रहाटकर ने इलाहाबादिया की अतिरिक्त टिप्पणियों पर भी प्रकाश डाला जिसमें कहा गया, 'उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कानून अपना काम कर रहा है, और जो हुआ है उसे वापस नहीं लिया जा सकता।

क्या था विवाद?

एनसीडब्ल्यू ने इलाहाबादिया, मखीजा और अन्य द्वारा कॉमेडियन समय रैना के शो पर की गई टिप्पणियों का संज्ञान लिया जिनके कारण पिछले महीने लोगों में आक्रोश देखने को मिला था। समय रैना के शो में माता-पिता और यौन संबंधों पर टिप्पणी करने के लिए इलाहाबादिया के खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज कराई गई हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। न्यायालय ने साथ ही टिप्पणियों को 'अश्लील' करार देते हुए कहा कि उनके 'दिमाग में गंदगी' है।

अवैध विदेशी धनप्रेषण मामला

ईडी ने कई राज्यों में की छापेमारी

मुंबई, सूरत समेत कई शहरों में दी दबिश

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुखौटा कंपनियों के जरिए भारत से विदेशों में कथित तौर पर करोड़ों रुपये अवैध तरीके से भेजे जाने से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत शुक्रवार को कई राज्यों में छापे मारे। जयपुर में काम करने वाले कुछ लोगों के खिलाफ सीमा शुल्क विभाग की शिकायत से जुड़ा है। सूत्रों के मुताबिक, छापे जयपुर, उदयपुर और अजमेर, मुंबई, सूरत और नोएडा में मारे जा रहे हैं। फर्जी कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपये के कथित अवैध धनप्रेषण की जांच के तहत कुछ कारोबारियों और उनसे जुड़े लोगों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

सिक्किम बैंक के पूर्व महाप्रबंधक से जुड़ी 65 करोड़ की संपत्तियां जब्त

एक अन्य कार्रवाई में ईडी ने सिक्किम स्थित एक बैंक के पूर्व महाप्रबंधक (जीएम) स्तर के अधिकारी से संबद्ध 65.46 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया है। यह कार्रवाई धनशोधन से जुड़े एक मामले के तहत की गई है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जब्त की गई संपत्तियों में चार आवासीय संपत्तियां और भूखंड शामिल हैं। यह संपत्ति सिक्किम के देओराली, सियारी, रानीपूल और पेनलोंग में स्थित हैं।

किस मामले में कार्रवाई?

संपत्तियां कथित रूप से स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम (एसबीएस) से धन की हेराफेरी करके खरीदी गई थीं। ईडी के अनुसार, बैंक में महाप्रबंधक रह चुके दोरजी शेरिंग लेप्चा इस फंड के गबन में शामिल थे। बयान के मुताबिक, लेप्चा और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में जमा लगभग 53.41 करोड़ रुपये को भी फ्रीज कर दिया गया है। कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत बैंक से गबन किए गए धन की हेराफेरी और धन शोधन की जांच का हिस्सा है।

8 महीनों में 26 एससी-एसटी छात्रों की हुई मौत

ओडिशा सरकार के मंत्री ने विधानसभा में दी जानकारी

एजेंसी । भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार द्वारा संचालित छात्रावासों में एक जुलाई 2024 से अब तक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (SC और ST) के 26 छात्रों की मौत हुई है, जिनमें से छह छात्रों ने आत्महत्या की है। विधानसभा में मंत्री द्वारा शुक्रवार को यह जानकारी दी गई है। एसटी और एससी विकास, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नित्यानंद गोंड ने बीजू जनता दल (BJD) के वरिष्ठ सदस्य रणेंद्र प्रताप स्वैन के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि पिछले आठ महीनों में विभिन्न छात्रावासों में 26 एससी/एसटी छात्रों की मौत हुई।

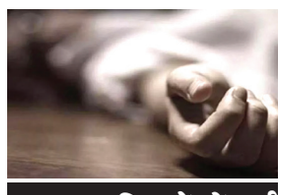

इन 14 जिलों में हुईं ज्यादा मौतें

मंत्री के जवाब के अनुसार, राज्य के 14 जिलों में ये मौत हुई हैं। रायगढ़ जिले में सबसे अधिक सात जबकि कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में तीन-तीन छात्रों की मौत हुई। इसके अलावा सुंदरगढ़ और बरगढ़ जिलों में इस अवधि के दौरान दो-दो छात्रों की मौत हुई है। गोंड ने सदन को बताया कि वहीं बोलांगीर, गंजम, झारसुगुड़ा, कंधमाल, क्योंझर, मयूरभंज, नयागढ़, नुआपाड़ा और सुबरनपुर जिलों में एक-एक छात्र की मौत का मामला सामने आया।

यासीन मलिक से जुड़ी याचिका पर सुनवाई टली

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अलगाववादी नेता यासीन मलिक के खिलाफ मुकदमे को जम्मू-कश्मीर से दिल्ली स्थानांतरित करने की सीबीआई की याचिका पर सुनवाई 4 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। तिहाड़ जेल में बंद यासीन मलिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया, क्योंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपलब्ध नहीं थे। कोर्ट से मामले को रमजान के बाद पोस्ट करने की अपील की गई। इस पर पीठ ने सहमति जताई। शीर्ष अदालत ने पहले मलिक को 7 मार्च को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने का निर्देश दिया था।

सुनवाई जम्मू से नई दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के 1989 के मामले और 1990 के श्रीनगर गोलीबारी मामले की सुनवाई जम्मू से नई दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की है। शीर्ष अदालत ने पहले जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया था कि मलिक और अन्य के खिलाफ दो मामलों की सुनवाई के दौरान जम्मू विशेष अदालत में उचित वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।
शीर्ष अदालत ने पिछले साल 18 दिसंबर को छह आरोपियों को मामलों की सुनवाई स्थानांतरित करने की सीबीआई की याचिका पर जवाब देने के लिए दो सप्ताह

'मलिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा'

शीर्ष अदालत जम्मू की एक निचली अदालत के 20 सितंबर, 2022 के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे मलिक को अपहरण मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने के लिए उसके समक्ष शारीरिक रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था। सीबीआई ने कहा कि मलिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और उसे तिहाड़ जेल परिसर से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

केरल उच्च न्यायालय के वकीलों का जज के खिलाफ प्रदर्शन

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय में एक दुर्लभ विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है, जहां वकीलों के एक वर्ग ने कोर्टरूम के बाहर जज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों की मांग है कि जज ने एक वकील की विधवा के खिलाफ जो सख्त टिप्पणी की, उसे लेकर जज माफी मांगें। यह विरोध प्रदर्शन केरल हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के बैनर तले हुआ। दरअसल केरल हाईकोर्ट के एक जज और दिवंगत वकील एलेक्स एम स्केरिया की विधवा पत्नी के बीच एक मामले की सुनवाई के दौरान बहस हुई थी। वकील एसोसिएशन का आरोप है कि महिला वकील ने अपने पति की मृत्यु होने के चलते सुनवाई कुछ दिन टालने की मांग की थी। इस पर जज ने महिला को अपमानित करने वाली टिप्पणी की, जिसे सुनकर महिला रोने लगीं। प्रदर्शनकारी वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर जज ने माफी नहीं मांगी तो वे जनरल बॉडी की बैठक बुलाएंगे और अदालती कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे। वहीं हंगामा बढ़ने पर जज ने अपने चैंबर में महिला वकील से माफी मांगने की पेशकश की, लेकिन वकीलों की मांग है कि जज अदालत

महिला पर टिप्पणी को लेकर माफी की मांग

मुड़ा केस

सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को बड़ी राहत

हाई कोर्ट ने रद्द किया ईडी का समन

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बड़ी राहत देते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में उनकी पत्नी बीएम पार्वती और शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश को जारी ईडी के समन को रद्द कर दिया। ईडी ने पार्वती को 28 जनवरी को सुबह 11 बजे अपने बेंगलुरु कार्यालय में पेश होने के लिए बुलाया था।

पहले समन पर लगी थी अंतरिम रोक

यह उन्हें जारी किया गया दूसरा ऐसा नोटिस था, पहला 3 जनवरी को जारी किया गया था, जिसमें उन्हें 9 जनवरी को पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, उन्होंने अपनी उम्र और संबंधित दस्तावेज जुटाने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता का हवाला देते हुए समय बढ़ाने की मांग की थी। 27 जनवरी को न्यायालय ने समन पर अंतरिम रोक लगा दी थी। 5 फरवरी को कर्नाटक हाई कोर्ट ने ईडी के समन पर रोक को 20 फरवरी तक बढ़ा दिया, जिससे पार्वती और सुरेश दोनों को राहत मिली थी। यह मामला मुडा द्वारा भूमि आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

कर्नाटक लोकायुक्त ने सिद्धरमैया को दिया था क्लीन चिट

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने फरवरी में एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में अदालत को 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट सौंपी थी। यह घटनाक्रम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को लोकायुक्त पुलिस द्वारा दी गई क्लीन चिट के आधिकारिक रूप से सार्वजनिक होने के एक दिन बाद हुआ था। सिद्धरमैया, उनकी पत्नी, साले बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य को मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई।

राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का स्मारक

परिवार ने दी मंजूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर ही बनेगा। इसे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्मारक के पास बनाया जाएगा। बताया जाता है कि पूर्व पीएम के परिवार ने स्मारक को लेकर सहमति जता दी है। बताया जाता है कि मनमोहन सिंह के परिजनों ने आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर प्रस्तावित स्थल को मंजूरी दे दी है। परिवार ने विभाग को स्वीकृति पत्र भेज दिया है।

डीबीडी इन्फो

स्मारक स्थल को लेकर था विवाद

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया था। दिल्ली के निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद से पूर्व पीएम के स्मारक स्थल को लेकर विवाद शुरू हो गया था। पिछले दिनों सरकार ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक स्थल को लेकर जगह की तलाश शुरू कर दी थी।

900 वर्ग मीटर में फैला प्रस्तावित राष्ट्रीय स्मृति स्थल

सरकार की ओर से पूर्व पीएम के स्मारक के लिए राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर प्रस्तावित किया गया स्थान लगभग 900 वर्ग मीटर में फैला है। यहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों के स्मारक हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का स्मारक मनमोहन सिंह के लिए प्रस्तावित स्थल के पास ही है।

मनमोहन सिंह के नाम से बनेगा ट्रस्ट

स्मारक बनने से पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की याद में ट्रस्ट बनाया जाएगा। ट्रस्ट के नाम पर ही स्मारक स्थल की भूमि का हस्तांतरण होगा। पूर्व पीएम का परिवार ट्रस्ट के सदस्यों के नाम प्रस्तावित करेगा और उन्हें अंतिम रूप देगा। ट्रस्ट बनने के बाद सरकार स्मारक के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये का अनुदान देगी। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारी पहले ही स्थल का दौरा कर चुके हैं।

सबक : नई दिल्ली रेल हादसे के बाद एक्शन में सरकार और रेलवे प्रशासन

क्राउड मैनेजमेंट को लेकर बनी नई गाइडलाइन

एजेंसी । नई दिल्ली

महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जो अफरा तफरी का महौल बना था। इसके बाद रेलवे इस हादसे से सबक लेते हुए कई तरह के नए उपाय की घोषणा की है। इस मामले पर खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के आला अधिकारियों के साथ बैठक की है। देश में ऐसे 60 ऐसे स्टेशनों को चिन्हित किया गया है, जहां पर सामान्य से अधिक भीड़ पायी गयी है। ऐसे स्टेशनों पर स्पेशल वेटिंग एरिया बनाने का फैसला किया गया है, जिससे यहां पर भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

60 स्टेशनों पर प्रवेश पर लगेगा नियंत्रण

इन 60 स्टेशनों पर पूरी तरह से प्रवेश नियंत्रण लागू किया जाएगा। केवल कन्फर्म रिजर्वेशन टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म तक जाने की अनुमति होगी। बिना टिकट यात्री या प्रतीक्षा सूची टिकट वाले यात्री बाहरी वेटिंग एरिया में रुकेंगे। सभी अवैध एंट्री पॉइंट्स सील कर दिए जाएंगे।

फुट ओवर ब्रिज का साइज बढ़ाया जाएगा

चौड़े फुट ओवर ब्रिज बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। 12 मीटर (40 फीट) और 6 मीटर (20 फीट) चौड़ाई वाले दो नए स्टैंड्ड के फुट ओवर ब्रिज डिजानि किए गए हैं। प्रयागराज के कई स्टेशन पर बनाए गए चौड़े FOB और Ramp महाकुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बहुत प्रभावी साबित हुए।

सीसीटीवी कैमरा का परमानेंट प्लेसमेंट

बैठक में सीसीटीवी की उपयोगिता और उससे मिलने वाले लाइव फुटेज पर यात्रियों के आने जाने पर नियंत्रण के लिए बात की गयी. भीड़ नियंत्रण में कैमरों की अहम भूमिका रहती है. सभी स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी के लिए बड़ी संख्या में कैमरे लगाए जाएंगे, जिन स्टेशनों पर अधिक भीड़ होती है।

बड़े स्टेशन पर बनेगा वॉर रूम

बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि बड़े स्टेशनों पर वॉर रू को विकसित किया जाएगा। भीड़भाड़ की स्थिति में सभी विभागों के अधिकारी वॉर रूम में कार्य करेंगे। अत्याधुनिक डिज़ाइन वाले डिजिटल संचार उपकरण जैसे वॉकी-टॉकी, अनाउंसमेंट सिस्टम और कालिंग सिस्टम भारी भीड़ वाले सभी स्टेशनों पर लगाए जाएंगे।

आत्मसमर्पण के तहत हजार से ज्यादा अवैध हथियार हुए जमा

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में आत्मसमर्पण समयसीमा के दौरान एक हजार से ज्यादा अवैध हथियार जमा किए गए हैं। मणिपुर पुलिस ने यह जानकारी दी है। जो अवैध हथियार जमा किए गए हैं, उनमें सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों के साथ ही अवैध रूप से खरीदे गए हथियार भी शामिल हैं। जिनमें हथगोले, मशीनगन, ग्रेनेड, मोर्टार, इंसास राइफल और एके-56 जैसी आधुनिक राइफल्स शामिल हैं। हथियार समर्पण करने की समय सीमा गुरुवार शाम चार बजे समाप्त हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है।

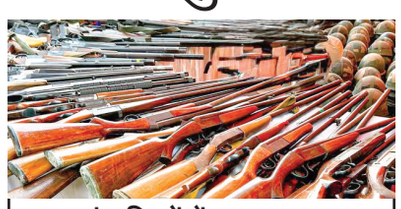

पांच जिलों में कुल 1023 हथियार सरेंडर किए गए

पुलिस ने बताया कि अभी जमा किए गए हथियारों का आंकड़ा अस्थायी है और सभी जिलों में जमा हुए हथियारों की पूरी गिनती करने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य के हिंसा प्रभावित पांच जिलों में कुल 1023 हथियार सरेंडर किए गए हैं।